● वर्ष-2
● अंक-197
रायपुर, रविवार
09 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmailĐcom

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 9 अप्रैल रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 11 अप्रैल मंगलवार को प्रकाशित होगा।

हिमंता के कांग्रेस छोड़ने का किस्सा

आजाद ने सुनाया ए सरमा बोले- मैंने फिर भी पार्टी में 12 महीने बिताए

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने एक इंटरव्यू के दौरान हिमंता बिस्व सरमा के कांग्रेस छोड़न का मजेदार किस्सा सुनाया। इस दौरान गुलाम नबी आजाद ने राहुल गांधी पर भी गंभीर आरोप लगाए। वहीं गुलाम नबी आजाद के इस किस्से पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी प्रतिक्रिया दी है। सरमा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि गुलाम नबी आजाद की असफल कोशिशों के बाद भी मैं कांग्रेस में 12 महीनों तक रहा था।

गुलाम नबी आजाद ने सुनाया किस्सा

मोजो के साथ इंटरव्यू में गुलाम नबी आजाद ने बताया कि जब कांग्रेस में रहने के दौरान हिमंता बिस्व सरमा ने 40-45 विधायकों के साथ बगावत कर दी थी। हिमंता बिस्व सरमा मेरे ज्यादा करीब था। साथ ही तत्कालीन राज्यपाल जेबी

पटनायक भी मेरे करीबी थे। ऐसे में हालात संभालने की जिम्मेदारी मुझे दी गई थी। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने बताया कि मैंने हिमंता बिस्व सरमा को अपने समर्थक विधायकों के साथ दिल्ली आने को कहा था। हिमंता बिस्वा सरमा के समर्थन में 40-45 विधायक थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को भी अपने समर्थक विधायकों के साथ दिल्ली आने को कहा गया। हालात देखकर पता चला कि हिमंता के पास ज्यादा समर्थन था। गुलाम नबी आजाद बताते हैं कि उन्होंने स्थिति की जानकारी सोनिया गांधी को दी।

आजाद बताते हैं कि जब वह असम जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनके पास राहुल गांधी का फोन आया और उन्होंने पूछा कि क्या हम असम मुख्यमंत्री को बदलने के लिए जा रहे हैं? आजाद बताते हैं कि राहुल गांधी ने हमें जाने से मना कर दिया जबकि वह उस समय पार्टी के अध्यक्ष भी नहीं थे। गुलाम नबी आजाद ने बताया कि जब वह राहुल गांधी से मिलने पहुंचे तो मैंने देखा कि वह असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई और उनके बेटे गौरव गोगोई के साथ चाय पी रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि वह लोग तरुण गोगोई को क्यों परेशान कर रहे हैं? मैंने जवाब दिया कि मैं परेशान नहीं कर रहा, मैं सिर्फ मुझे दी गई जिम्मेदारी निभा रहा हूं।

आजाद ने बताया कि मैंने राहुल गांधी को बताया था कि हिमंता बिस्व सरमा पार्टी छोड़ देंगे। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि जाने दो। आजाद ने बताया कि राहुल गांधी का ताकिया कलाम है कि जाने दो, जाने दो उसे आरएसएस में।

हिमंता सरमा ने दी प्रतिक्रिया

गुलाम नबी आजाद के इंटरव्यू के इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने ट्वीट किया कि गुलाम नबी आजाद की विवाद सुलझाने की असफल कोशिश के बावजूद मैं 12 महीने तक कांग्रेस पार्टी में रहा। उन 12 महीनों की कहानी भी मजेदार है। मैंने आखिरकार अगस्त 2015 में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुखोई-30 फाइटर जेट में भरी उड़ान

गुवाहाटी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को सुखोई फाइटर जेट की ऐतिहासिक उड़ान भरी। असम के तेजपुर एयरबेस से राष्ट्रपति मुर्मू ने यह उड़ान भरी। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के लिए यह गर्व की बात है कि देश की रक्षा क्षमताओं में इजाफा हुआ है और अब हम हर मोर्चे जमीन, आसमान और समुद्र में सुरक्षा करने में सक्षम हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुखोई फाइटर जेट में करीब 30 मिनट तक उड़ान भरी। उड़ान के दौरान राष्ट्रपति को ले जा रहे सुखोई फाइटर जेट ने ब्रह्मपुत्र नदी और तेजपुर घाटी के ऊपर से उड़ान भरी। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। एयरक्राफ्ट को 106 स्क्वाड्रन के कमांडिंग अफसर ग्रुप कैप्टन नवीन कुमार ने उड़ाया। इस दौरान सुखोई ने समुद्र सतह से दो किलोमीटर की ऊंचाई पर और 800 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ान भरी। फाइटर जेट में उड़ान भरने वाली राष्ट्रपति मुर्मू देश की तीसरी राष्ट्रपति हैं।

भूख के कारण पहाड़ी कोरवा परिवार ने की आत्महत्या- नारायण चंदेल

रायपुर। प्रदेश के जशपुर जिले में महामहिम राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र के रूप में जाने जाते पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवार द्वारा सामूहिक आत्महत्या की हृदय विदाराक घटना पर प्रदेश भाजपा द्वारा तथ्यान्वेषण समिति बनायी गयी थी। इस समिति के सदस्य के रूप में हम सबने उस गांव का दौरा किया और पाया कि यह सामूहिक आत्महत्या भूख और गरीबी के कारण हुई है।

जशपुर में दो बच्चों से साथ पहाड़ी कोरवा दंपत्ती के सामूहिक आत्महत्या मामला तूल पकड़ चुका है. इस केस की जांच के लिए प्रदेश भाजपा का जांच दल शनिवार को झुमराडूमर गांव पहुंचा. भाजपा जांच दल की अगुआई नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने की. रामविचार नेताम समेत अन्य 5 सदस्य भी जांच

दल में शामिल थे. मृतकों के परिवार से मिलकर टीम ने मामले की जांच की और ग्रामीणों की भी समस्याएं सुनीं.

झुमराडुमर गांव में पहाड़ी कोरवा दंपत्ती ने दो बच्चों के साथ पेड़ के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. इस मामले की जांच के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 7 सदस्यीय जांच दल गठित किया था. बीजेपी की जांच टीम नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के नेतृत्व में शनिवार को झुमराडुमर और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश की. भाजपा नेताओं ने क्षेत्र की बदहाली को इसका जिम्मेदार माना, जिसकी वजह से न तो रोजगार के कोई साधन गांव के आसपास हैं और न ही पानी के आभाव में कृषि हो पा रही है. मामले की जांच कर प्रदेश भाजपा की जांच टीम राष्ट्रपति समेत केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजेगी. आपको बता दें कि यह सामूहिक सुसाइड की घटना दो अप्रैल की थी.

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के साथ भाजपा नेता रामविचार नेताम ने झुमराडुमर गांव पंहुचकर पीड़ित परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों से मुलाकात की. यहां राशन, सड़क, पानी समेत जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी है. बीजेपी ने भूख और गरीबी को सुसाइड का कारण माना है.

राजगोपालाचारी के प्रपौत्र भाजपा में शामिल

■ **कांग्रेस को एक और झटका, पहले भारतीय गवर्नर जनरल**

नई दिल्ली। कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। देश के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी राजगोपालाचारी के पोते और कांग्रेस के पूर्व नेता सीआर केसवन शनिवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, भाजपा सांसद अनिल बलूनी सहित तमाम नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने के बाद सीआर केसवन ने कहा कि मैं आपको दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी-बीजेपी में शामिल करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, खासकर उस दिन जब हमारे पीएम नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति यहां सी राजगोपालाचारी सहित हमारे महान राष्ट्र के संस्थापक पिताओं और माताओं के लिए भाजपा के गहरे सम्मान को

साबित करती है। सीआर केसवन ने कहा कि मैं अपने घर में ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्हें पीएम आवास योजना से पक्का घर मिला है। 3 करोड़ घर बन चुके हैं...अमित शाह जी ने एक बार कहा था कि डीबीटी पहले डीलर ब्रोकर ट्रांसफर था, लेकिन अब यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर हो गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की जन-केंद्रित नीतियां, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और सुधार-आधारित समावेशी विकास एजेंडा ने भारत को एक नाजुक अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। फरवरी में, केसवन ने यह कहते हुए कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था कि उन्होंने 卐उन मूल्यों का कोई अवशेष नहीं देखा है, जिसने उन्हें दो दशकों से अधिक समय तक पार्टी के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

चरणजीत चन्नी भाजपा में होंगे शामिल?

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को लेकर इन दिनों सूबे की सियासत में अटकलों का बाजार तेज है। कयास लगाए जा रहे हैं कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। न्यूज 18 ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि चन्नी ने पंजाब में कुछ बीजेपी नेताओं से मुलाकात की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस ने उन्हें रिझाने की कोशिश की है। पूर्व पीसीसी प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के जमानत के बाद पटियाला जेल से बाहर निकलने के साथ कई सत्ता केंद्रों के डर के बीच ये अटकलें सामने आई। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस की हार के बाद चन्नी राजनीतिक सुर्खियों से गायब हो गए थे, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) को भारी जनादेश मिला था। भ्रष्टाचार के मामलों में अपने भतीजे की गिरफ्तारी के बाद भी उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा था। हालाँकि, पूर्व मुख्यमंत्री ने मारे गए पंजाब गायक सिद्धू मूस वाला के गाँव का औचक दौरा कर राज्य की राजनीति में फिर से प्रवेश किया। उन्होंने माता-पिता के साथ रात भर रह पार्टी में हलचल मचा दी थी। विदेश यात्रा से लौटने के बाद चन्नी को राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी देखा गया था। उन्होंने प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की थी। कई लोगों ने महसूस किया कि यह सुविचारित कदम था, जिससे पार्टी में उनके विरोधियों को संदेश गया कि वह अभी भी प्रासंगिक हैं।

प्रमुख समाचार

राहुल गांधी के राजनीतिक करियर को चमकाने के लिए अडाणी मुद्दा-रीजीजू

जम्मू। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (गांधी) राजनीतिक रूप से विफल हो गए हैं और दावा किया कि ''उनके राजनीतिक करियर को चमकाने के लिए'' अडाणी मुद्दा 'जानबूझकर' उठाया जा रहा है। रीजीजू ने कांग्रेस पर न्यायपालिका को कमजोर करने का भी आरोप लगाया और कहा कि यदि विपक्षी दल न्यायपालिका पर हमला करके संविधान की 'धज्जियां उड़ाने' की कोशिश करता है, ''तो हम चुप नहीं बैठेंगे।'' रीजीजू ने यहां जम्मू विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस पर (हिंडनबर्ग-अडाणी मुद्दे पर) कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि उच्चतम न्यायालय पहले ही एक समिति का गठन कर चुका है और इस पर विचार कर रहा है, लेकिन मैं (इतना जरूर) कहना चाहता हूं कि यह सब राहुल गांधी के राजनीतिक करियर को चमकाने के लिए किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इसे जानबूझकर एक मुद्दा बनाया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''देश संविधान और कानून से चलता है।

दुबई के रास्ते मुंबई में घुसे तीन आतंकी, सर्च ऑपरेशन शुरू

मुंबई। 26/11 हमले के बाद एक बार फिर आतंकवादी मुंबई को दहलाने की साजिश रच रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुंबई में दुबई के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकवादी घुस आए हैं। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बता दें, मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को शनिवार को जानकारी मिली कि शहर में तीन आतंकवादी खुलेआम घूम रहे हैं। फोन करने वाले ने बताया कि शुक्रवार सुबह दुबई के रास्ते पाकिस्तान के तीन आंतकवादी मुंबई पहुंचे हैं। फिलहाल कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है। अज्ञात कॉलर ने एक आतंकवादी की पहचान भी उजागर की है। आतंकी का नाम मुजीब सैय्यद बताया। साथ ही उसके फोन नंबर और गांडी नंबर के बारे में जानकारी भी दी। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, घटना से जुड़े अधिकारियों को संदेह है कि ये जानकारी फर्जी हो सकती है। पुलिस फोन करने वाले का पता लगा रही है। गौरतलब है, मुंबई में पहले भी समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने 26 नवंबर, 2008 को हमला कर दिया था। यह हमला 29 नवंबर को रुका। इस दौरान 166 लोगों मारे गए, वहीं 300 लोग घायल हुए थे।

हिंसा का कौन सा सच छिपाना चाहती हैं ममता?

नई दिल्ली। हावड़ा-हुगली हिंसा विवाद के बाद जांच करने पहुंची फैक्ट फाइंडिंग टीम को बंगाल पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद फैक्ट फाइंडिंग टीम और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हो गई। फैक्ट फाइंडिंग टीम की सदस्य चारू वली खन्ना ने कहा कि पुलिस ने हमें रिशरा जाने से रोक दिया। वह हमारे सामने दीवार की तरह खड़े हो गए। ऐसा क्यों। क्या सरकार कुछ छिपाना चाहती है। क्या राज्य सरकार कानून व्यवस्था को संभालने में नाकाम रही। खन्ना ने कहा कि हम यहां भीड़ बनकर नहीं थे, कि हमें रोकना पड़े। हम हिंसा के पीड़ितों से बात करने आए थे। उनका दर्द जानने आए थे। लेकिन पुलिस ने हमें रिशरा में ही रोक दिया गया। शहर में घुसने ही नहीं दिया। राम नवमी के अवसर पर शोभा यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हिंसा भड़क गई थी। जिसमें दो समुदाय आमने सामने आ गए थे और जमकर पत्थरबाजी और आगजनी हुई थी। अब आज फिर हावड़ा में हिंसा की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क गई और हावड़ा के शिवपुर में पथराव हुआ।

अमित शाह चीन सीमा के पास करेंगे वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 अप्रैल को वास्तविक नियंत्रण रेखा (ह्रष्ट) के पास अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे। गृह मंत्रालय (एमएचए) के अनुसार शाह 10 और 11 अप्रैल को पूर्वोत्तर राज्य के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। भारत-चीन सीमा पर गांवों के व्यापक विकास के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी) को लॉन्च किया जा रहा है। यह चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में पर्वत चोटियों, नदियों और आवासीय क्षेत्रों सहित 11 स्थानों का नाम बदलने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसे वह दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के कदम को यह कहते हुए दृढ़ता से खारिज कर दिया है कि यह राज्य भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है।

पंजाब की आप सरकार में 200 करोड़ का शराब घोटाला! दिल्ली की तर्ज पर की एक्शन की मांग

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने शुक्रवार को पंजाब में आबकारी विभाग में 200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले का आरोप लगाते हुए धोखाधड़ी की सीबीआई जांच और दिल्ली की तर्ज पर सभी दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए वरिष्ठ शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठजा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और वित्त मंत्री हरपाल चीमा पर आबकारी राजस्व में 41 प्रतिशत वृद्धि का दावा करते हुए झूठ बोलने का भी आरोप लगाया जबकि कहा कि वृद्धि केवल 10.26 प्रतिशत थी। मजीठिया ने 200 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए मंत्रियों के एक समूह की रिपोर्ट सहित मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित दस्तावेज मीडिया को जारी किए। उन्होंने आबकारी आयुक्त से एक दस्तावेज जारी किया जिसने वर्तमान आबकारी नीति में अंतराल और कमियों का विश्लेषण करने के लिए एक समिति का गठन किया। उन्होंने कहा कि नोट में यह भी कहा गया है कि एल-1 के माध्यम से निर्माता से खुदरा विक्रेता को छूट का लाभ खुदरा विक्रेता को नहीं दिया गया था और यह कि एल-1 धारक खुदरा विक्रेताओं पर अपनी शर्तें थोपने के लिए अपनी एकाधिकार स्थिति का दुरुपयोग कर रहे थे।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े उलटफेर के संकेत

नीरज कुमार दुबे

क्या राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अब भाजपा के करीब आ रही है? क्या महाराष्ट्र की राजनीति में कोई उलटफेर होने वाला है? क्या संसद के बजट सत्र के दौरान मुख्य विपक्षी कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों की जो एकजुटता देखने को मिली थी वह टूट गयी है? यह सब सवाल इसलिए खड़े हुए हैं क्योंकि महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य शरद पवार ने अडाणी मुद्दे पर सरकार का समर्थन कर दिया है। यही नहीं उनकी पार्टी के दो बड़े नेताओं ने प्रधानमंत्री की डिग्री मुद्दे पर चलाये जा रहे आम आदमी पार्टी के अभियान को भी खारिज कर दिया है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले सप्ताह ही शरद पवार ने सावरकर विरोधी बयानों को लेकर कांग्रेस को गलत ठहराया था। शरद पवार ने गत सप्ताह नागपुर जाकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से उनके आवास पर मुलाकात भी की थी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जहां कांग्रेस सकते में है वहीं उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के चेहरे पर भी परेशानी देखी जा सकती है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अडाणी मुद्दे पर शरद पवार की बातों पर ध्यान देने का आह्वान कर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना पर निशाना साधा है। शिंदे ने कहा, ''कांग्रेस ने अडाणी समूह में 20,000 करोड़ रुपये को लेकर स्पष्टीकरण की मांग करते हुए आंदोलन शुरू किया है। यहां तक कि उद्धव ठाकरे ने भी लगातार इस मुद्दे पर बयान दिया है। अब पवार ने टिप्पणी की है, ऐसे में जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें उनकी टिप्पणी पर ध्यान देना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि शरद पवार बहुत वरिष्ठ नेता हैं और काफी अध्ययन के बाद ही उन्होंने कुछ बोला होगा, इसलिए जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

शरद पवार ने कहा क्या था?

हम आपको बता दें कि एनडीटीवी के साथ एक साक्षात्कार में शरद पवार ने अडाणी समूह का बचाव किया था और उसके संबंध में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर गढ़े जा रहे विमर्श की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, ''पहले भी कुछ अन्य लोगों द्वारा ऐसे बयान दिए गए थे और इनके कारण कुछ दिनों तक संसद में व्यवधान हुआ था, लेकिन इस बार इस मुद्दे को बहुत ज्यादा ही तूल दिया जा रहा है।'' पवार ने कहा था, ''जो मुद्दे सामने रखे गए, उन्हें किसने रखा, हमने कभी इन लोगों के बारे में नहीं सुना, जिन्होंने बयान दिया, (उनकी) पृष्ठभूमि क्या है? जब वे ऐसे मुद्दे उठाते हैं, जिससे देश में बवाल मचता है, तो उसकी कीमत देश की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है, हम इन बातों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह मालूम पड़ता है कि ऐसा लक्षित करके किया जाता है।'' पवार ने कहा कि एक जमाना ऐसा था जब सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करनी होती थी तो हम टाटा-बिड़ला का नाम लेते थे। टाटा का देश में योगदान है। आजकल अंबानी-अडानी का नाम लेते हैं, उनका देश में क्या योगदान है, इस बारे में सोचने की आवश्यकता है। शरद पवार ने कहा कि छ्वक्क्ष्ट की मांग हमारे सभी साथियों ने की, ये बात सच है मगर हमें लगता है कि छ्वक्क्ष्ट में 21 में से 15 सदस्य सत्ताधारी पार्टी के होंगे। जहां ज्यादातर लोग सत्ताधारी पर्टी के हों वहां देश के सामने सच्चाई कहां तक आएगी। हम आपको याद दिला दें कि अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च ने अरबपति गौतम अडाणी के कारोबारी समूह के शेयर और लेखांकन में बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया था, जिसके बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर हैं।

शरद पवार के बयान पर शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस की प्रतिक्रिया

इस बीच, शरद पवार के रुख से सकते में आई उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा है कि अडाणी मामले पर चाहे तृणमूल कांग्रेस हो या हृष्टक्क सबकी अपनी-अपनी अलग राय है लेकिन इससे विपक्ष की एकजुटता में कोई दरार नहीं आएगी। वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि ये शरद पवार का व्यक्तिगत मत हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोयला घोटाले के मामले में भी कोर्ट की कमेटी बैठाई गई थी लेकिन विपक्ष के कहने पर छ्वक्क्ष्ट गठित की गई थी।

एनसीपी नेताओं ने दिये भाजपा के करीब जाने के संकेत

उधर, भाजपा और एनसीपी की करीबी के रूप में देखे जा रहे बयानों की बात करें तो आपको बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने इस सप्ताह मंगलवार को कहा था कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता जनता में बहस का मुद्दा बन गई है तब संबंधित अधिकरियों को उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए। इसके अलावा, शरद पवार के भतीजे और एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने भी 2014 में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे को दिया और कहा कि देश में महंगाई तथा युवाओं के लिए रोजगार प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। एनसीपी नेताओं के यह बयान उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बयान से बिल्कुल उलट हैं क्योंकि संजय राउत ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उनकी डिग्री को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने वैशाली नगर विधानसभा में दी अनेक विकास कार्यों की सौगात

■ **वैशाली नगर में 7 करोड़ एक लाख रूपए के 7 विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं 38 करोड़ 38 लाख रूपए के 12 विकास कार्यो का किया भूमिपूजन**

दुर्ग। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज वैशाली नगर विधानसभा में क्षेत्रवासियों को विभिन्न विकास कार्यो की सौगात दी। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जिले में 45 करोड़ 39 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 7 करोड़ एक लाख रूपए के 9 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 38 करोड़ 38 लाख रूपए के बारह विकास कार्यो का भूमिपूजन किए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 7 करोड़ एक लाख रूपए का लोकार्पण किया, जिसमें सड़क एवं नाली निर्माण के 5 कार्य- वार्ड न. 14 शांति नगर, वार्ड न.15 अम्बेडकर नगर, वार्ड न. 27 शास्त्री नगर, वार्ड न. 10 लक्ष्मी नगर,

वार्ड न. 23 घासीदास नगर, वार्ड नं. 26 रामनगर और वार्ड नं.18 प्रेमनगर में नाली एवं रोड निर्माण के लिए एक करोड़ 25 लाख रूपए, वार्ड नं. 23 नया घासीदास नगर, वार्ड नं. 24 नया हाउसिंग बोर्ड में डामरीकरण कार्य के लिए 3 करोड़ 15 लाख रूपए और वार्ड नं. 27 समता चौक एवं वार्ड नं.24 नया फुटपाथ निर्माण कार्य के लिए 60 लाख रूपए, वार्ड नं. 5 कोसा नगर, बॉम्बे आवास एवं रैश्ने आवास में सीसी रोड के निर्माण कार्य के लिए 60 लाख रूपए तथा वार्ड नं. 7 राधिका नगर में सीसी रोड निर्माण कार्य हेतु 40 लाख रूपए का लोकार्पण किया।

इसी प्रकार खेल मैदान के दो कार्य- वार्ड नं. 24 नया हाउसिंग बोर्ड में एस्ट्रोटर्फ सह एलईडी लाईट युक्त बैडमिंटन कोर्ट निर्माण कार्य हेतु 10 लाख रूपए, वार्ड नं. 25 नया स्पोर्टस काम्पलेक्स के उन्नयन कार्य के लिए 52 लाख रूपए, वेडिंग जोन के एक कार्य-वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर इंदिरा गांधी कॉलेज के सामने वेंडिंग जोन निर्माण कार्य के लिए 20 लाख रूपए एवं वार्ड नं. 23 नया सुभाष चौक से अमृत मिशन गार्डन तक ग्रीन बेल्ट में चैनलिंक फेंसिग कार्य हेतु 19 लाख रूपए का लोकार्पण किया गया।

इसी प्रकार वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 38 करोड़ 38 लाख रूपए का भूमिपूजन किया गया, जिसमें सड़क नवीनीकरण के चार कार्य-जोन 01 अंतर्गत वार्ड 4 एवं वार्ड 5 में बाईपास रोड से कोसानगर पुलिया तक डामरीकृत मार्गो का नवीनीकरण कार्य के लिए 98 लाख रूपए, मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत जोन क्रमांक 2 क्षेत्रांतर्गत इंदिरा चौक-दुबे पान पैलेस-भगत चौक-हनुमान मंदिर एवं जोन-02 कार्यालय के आसपास मार्गो में डामरीकरण एवं उन्नयन कार्य के लिए एक करोड़ रूपए, वार्ड क्रमांक 34 शिवशक्ति कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 35 किशन चौक से शीतला मंदिर चौक डामरीकृत मार्गो का नवीनीकरण कार्य के लिए 42 लाख रूपए और वार्ड 18 कान्ट्रेक्टर कॉलोनी शिवनाथ काम्पलेक्स ब्लाक 28 से 21 तक सीमेंटीकरण के लिए 24 लाख रूपए का भूमिपूजन किया।

तालाब के उन्नयन एवं विकास कार्य - वार्ड 13 में भेलवा तालाब का उन्नयन एवं विकास कार्य के लिए एक करोड़ रूपए, वार्ड क्रमांक 26 लाल बहादुर शास्त्री सरोवर का सौंदर्यीकरण कार्य के लिए एक करोड़ 99 लाख रूपए और नाली निर्माण के दो कार्यो-जोन 01 अंतर्गत नेहरू नगर जी.ई.रोड से मिलन चौक एवं व्ही.आई.पी.चौक तक नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य के लिए 71 लाख रूपए, वार्ड 10 लक्ष्मी नगर में सुपेला चौक-राजेन्द्र प्रसाद चौक तक एवं वार्ड 04 नेहरू नगर चौक-के.पी.एस.चौक तक 94 लाख रूपए का भूमिपूजन किया।

नेहरू नगर उद्यान में तारामंडल निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 1 लाख रूपए, प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम वाहन शाखा के पीछे अर्बन कॉटेज एवं सर्विस इंडस्ट्रीज पार्क विकास कार्य के लिए 2 करोड़ रूपए, प्रियदर्शिनी परिसर पूर्व में विश्वस्तरीय सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन के लिए 20 करोड़ रूपए और सिविल हॉस्पिटल सुपेला के आधुनिकीकरण कार्य के लिए 7 करोड़ रूपए का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने मिलेट्स कैफे का किया लोकार्पण

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने प्रदेश के अभी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत शनिवार को दुर्ग जिले के वैशाली नगर विधानसभा के गुरुनानक जी सरोवर के समीप मिलेट्स कैफे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, विधायक श्री देवेन्द्र यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि मिलेट्स कैफे खुलने के बाद अब यहां के लोगों की थाली में पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध होंगे, लोगों को स्वादिष्ट व्यंजन मिलने के साथ ही एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ का सपना भी साकार हो सकेगा।

वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा से गढ़ रहे हैं बच्चों का भविष्य

स्कूल शिक्षा मंत्री ने नवनिर्मित विद्यालय भवन का किया लोकार्पण

मोहला। स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग तथा सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज अंबागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम करमतरा में 68 लाख 64 हजार रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन हाई स्कूल भवन तथा मोहला विकासखंड के ग्राम आलकन्हार में 1 करोड़ 11 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम करमतरा में हायर सेकेण्डरी स्कूल उन्नयन और कन्या छात्रावास की घोषणा की। स्कूल शिक्षा डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने नये स्कूल भवन बनने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में स्कूल खोलना सौभाग्य की बात होती है, लेकिन स्कूल भवन बनना परम सौभाग्य की बात होती है। आप सभी वनांचल क्षेत्रों में यहां के बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं वह सराहनीय कार्य है। यहां के बच्चे ने प्रयास, एकलव्य, नवोदय, नीट जैसे परीक्षाओं में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय के खुलने से आसपास के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। कोरोना काल में सबसे ज्यादा नुकसान पढ़ाई में हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों के प्रयास से ऑनलाइन पढ़ाई और पढ़ई तुँहर द्वार से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार होता रहा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य किया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूल, आश्रम, छात्रावास भवन की मरम्मत के लिए प्राक्कलन मांगा गया है। इसे बच्चों को स्कूल में सुविधा होगी।

स्कूल शिक्षा डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि स्कूल एवं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया

है। प्रदेश में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित किया गया है। प्रदेश में लगभग 280 में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित है। जिससे हर वर्ग के बच्चों को समान शिक्षा मिल रही है। प्रत्येक विकासखण्ड में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोला गया है। जो अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम से पढ़ाई हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 101 नए आत्मानंद खुलेंगे। शिक्षा आज के समय में सबसे बड़ा हथियार है। जो समाज एवं परिवार में जाएगा तभी परिवार आगे बढ़ेगा। उन्होंने अभिभावक से बच्चों को स्कूल जरूर भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहला ऐसा राज्य जहां 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा के मान से तेन्दूपत्ता खरीदा जा रहा हैं। राज्य सरकार ने लघु वनोपज बढ़ावा देते हुए महुआ को 17 रूपए से बढ़ाकर 30 रूपए प्रति किलो ग्राम खरीदने का निर्णय लिया। जिससे वनवासियों को आर्थिक लाभ हुआ। इस मौके पर मंत्री टेकाम ने नवोदय, प्रयास, एकलव्य एवं नीट की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मान पत्र दिया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राचार्य, प्रधानपाठक एवं शिक्षकों को सम्मानित किया।

आंधी तूफान का कहर दर्जनभर गांवों में अंधेरा

चौथी में पढ़ने वाले बच्चे की मौत

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा इलाके की ग्राम पंचायत मरकानार में आम का एक विशालकाय पेड़ लाड़ी पर गिरने से गुरुवार को चौथी क्लास में पढ़ने वाले मासूम बच्चे की दब गया, गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मासूम ने शनिवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उधर, दर्जनभर गांवों में 24 घंटे से बिजली गुल होने से अंधेरा छा गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत मरकानार निवासी चमन पटेल की साइकिल पंचर की दुकान गांव में है।

दुकान में चमन का बेटा रोहन पटेल अकेला बैठा था इस बीच आम का पेड़ा लाड़ी पर गिर गया। आम के पेड़ के नीचे वह दब गया। आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह से बच्चे को पेड़ की शाखाएं काटकर बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने देखा कि अधिक खून बह रहा है।

गंभीर हालत में बच्चे को इलाज के लिए नारायणपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि रोहन पटेल अपने माता-पिता की एक लौती संतान था। बड़े पिता और चाचा के बीच में वह अकेला बच्चा था।

गुरुवार की आंधी तूफान ने तीन भाइयों के बीच के एकलौते चिराग को बुझा दिया। चौथी क्लास में पढ़ने वाला रोहन काफी होनहार था, पिता की साइकिल की दुकान पर अक्सर बैठने से गांव में सभी लोगों से परिचित था। बच्चे की मौत होने से गांव में मातम छा गया है। वहीं बेटे की मौत के बाद परिवार पूरी तरह से टूट गया है।

आंधी तूफान के चलते कैसेकोड़ी गांव में 11 केवी की लाइट पर पेड़ गिरने से जगह-जगह तार टूट गया। तार टूटने से गांव में बिजली गुल हो गई। बिजली विभाग की ओर से बताया जा रहा कि नदी पार के अधिकतर गांवों में बिजली के तारों पर पेड़ गिर गए हैं।

मोदी सरकार के कारण खतरे में है भारत का लोकतंत्र : कांग्रेस

पाटन। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर द्वारा विश्रामगृह जामगांव आर में पत्रकारवार्ता लिया गया। राहुल गांधी के संसदीय निष्कासन के मुद्दे पर ली गई पत्रकार वार्ता में ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता को समाप्त करना मोदी सरकार को हताशा को दर्शाता है।घटनाक्रम का सिलसिलेवार ब्यौरा उन्होंने रखा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के ऊपर ये सभी कार्रवाई क्यों की गई ? इसका एकमात्र कारण है कि राहुल गांधी ने देश के प्रधानमंत्री की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। उन्होंने मोदी के निकट सहयोगी अडानी के घोटाले बाजी और अडानी मोदी के गठबंधन पर आवाज उठाया। इस कारण मोदी को यह नागवार गुजरा और राहुल गांधी की सदस्यता को समाप्त करने का षड्यंत्र किया। वरिष्ट कांग्रेस नेता रूपेंद्र शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अडानी में यह रिश्ता क्या कहलाता है। जनपद सभापति रमन टिकरिहा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने विदेशी ताकतों से लंदन में भारत की मदद करने के लिए कहा यह एक सफेद झूठ है। अगर कोई उनके वक्तव्य को ध्यान से देखें, तो समझ आ जायेगा।उन्होंने कहा कि यह भारत का अंदरूनी मामला है। हम स्वयं इसका हल निकालने में सक्षम है। भाजपा अब झूठी हौवा खड़ा कर रही है। जनपद सभापति रूपचंद साहू, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष उमाकांत चंद्राकर ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओबीसी समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाने की घटिया चाल भाजपा की हताशा को दर्शाती है। उन्होंने इस पर भी कई सवाल खड़े किए। संतोषी तिवारी ने कहा कि आपराधिक मानहानि के लिए अधिकतम 2 साल की सजा आज तक किसी को नहीं मिली है। दूसरी और भाजपा नेताओं के खिलाफ मामले अत्यधिक उदारता से निपटाए जाते हैं।पत्रकारवार्ता में ब्लॉक कांग्रेस पाटन के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, ब्लाक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, जिला पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष अशोक साहू,जनपद सभापति रमन टिकरिहा, जनपद पंचायत पाटन के देवेंद्र चंद्रवंशी, जनपद सदस्य दिनेश साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष उमाकांत चंद्राकर, कांग्रेस नेता रूपेंद्र शुक्ला,पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजा राम गहीरवार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जय प्रकाश चंद्राकर,मछुवा आयोग के सदस्य देव कुमार निषाद, ईश्वर निषाद, अमित अग्रवाल, सेक्टर प्रभारी छोटू बघेल चंद्रशेखर सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे।

■ **ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर की पत्रकारवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने लगाए कई आरोप**

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

ग्राम पंचायत सांकरा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

धमतरी। नगरी विकासखंड की ग्राम पंचायत सांकरा को राष्ट्रीय स्तर पर दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। ग्राम पंचायत सांकरा को यह पुरस्कार स्वस्थ पंचायत की श्रेणी में प्रदान किया गया है। जिले के कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए सांकरा पंचायत को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। इस संबंध में बताया गया है कि दीनदायाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (डीडीयू पीएसवीपी) के तहत स्वस्थ पंचायत श्रेणी में स्वास्थ्य संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनपद पंचायत नगरी की सर्वाधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायत सांकरा छत्तीसगढ़ में अव्वल नम्बर पर रही। ज्ञात हो कि वर्ष 2022-23 के पुरस्कार हेतु 09 थीम पर राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार आमंत्रण किया गया था, जिसमें इस बार स्वस्थ पंचायत थीम पर ग्राम पंचायत सांकरा पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में अव्वल रही।

बेमेतरा में भारी वाहनों के आवागमन से रहवासी परेशान

बेमेतरा। शहर के प्रमुख मार्ग दुर्ग रोड गस्ती चौक से लेकर दुर्गा मंदिर नयापारा गौरव पथ रोड मैं अक्सर भारी भरकम ट्रकों की लाइन लगी रहती है। ज्ञात हो कि शहर के प्रमुख मार्गो में से एक गौरव पथ रोड दुर्गा मंदिर नयापारा के पास आए दिन भारी भरकम ट्रकों का रोड के ऊपर लाइन से खड़ी रहती है दुर्गा मंदिर के आसपास घनी आबादी वाली बस्ती बसी है जहां बहुत सारे लोग निवास करते हैं और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी कि आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए प्रतिदिन सुबह घरों से अपने मोटरसाइकिल से निकलते हैं जहां दुर्गा मंदिर के पास चौराहा होने के कारण आवागमन कुछ ज्यादा ही रहता है जिसके बीच इन भारी भरकम ट्रकों का इस तरह रोड पर खड़ा रहना किसी अप्रिय घटना को दावत देने के बराबर है।

बैकुंठपुर में कुत्तों के झुंड ने ली मासूम की जान

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में बैकुंठपुर स्थित ईट भट्ठे में काम करने आए मजदूर के 5 साल की मासूम बच्ची पर कुत्ते के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। आए दिन मजदूरों की परेशानी, शोषण, उन्हें बंधक बनाने और मजदूरी भुगतान के किस्से सुनने को मिलते हैं। वहीं शुक्रवार को लापरवाही के कारण मजदूरों को अपनी मासूम बच्ची से हांथ धोना पड़ा। क्षेत्र में रोजगार न मिलने से मजदूरों को रोजगार की तलाश में बहार जाना पड़ता है, इस दौरान उनका पलायन भी होता है। इस कारण मजदूर और मजदूरों का परिवार दुर्घटना का शिकार हो जाता है। ऐसे ही एक घटना बैकुंठपुर से सामने आई है, जहां सरगुजा जिले से बैकुंठपुर के ईट भट्ठे में काम करने आए मजदूर के 5 साल की मासूम बच्ची सुकांति माझी, पिता अजय माझी पर कुत्ते के झुंड ने हमला कर दिया। इस हमले में बच्ची की मौत हो गई। हमला इतना दर्दनाक था कि, मासूम की तस्वीर देखकर रोंगटे खड़े हो जाएंगे। जिला अस्पताल बैकुंठपुर लाते ही चिकत्सक ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

पुष्पांजलि सुरता सम्मान समारोह आज पोण्डी में

बालोद। छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के पितामह खुमान लाल साव, बालोद जिला के सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार गौकरण साहू एवं सुप्रसिद्ध तबला वादक दिलीप निषाद के पुण्य स्मृति में प्रति वर्ष मनाए जाने वाले पुष्पांजलि सुरता सम्मान समारोह इस वर्ष पोण्डी जिला बालोद में 9 अप्रैल रविवार को रात्रि 9:00 से आयोजित होगी। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही साथ भिलाई मरोदा रिखी क्षत्रिय कृत लोक रागनी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं दूरसंचार भारत सरकार के सलाहकार सदस्य जगदीश देशमुख होंगे। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार सीताराम साहू श्याम करेंगे। अति विशिष्ट के रूप में पद्मश्री डोमार सिंह कुंवर, लोक गायक कुलेश्वर ताम्रकार ,लोक गायिका जयंती यादव होंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में युगल साहू,चंदैनी गोंदा के नृत्य कलाकार भारती साहू, दिनेश साहू लगे हैं।उक्ताशय की जानकारी आयोजक युगल साहू बड़गांव ने दिए।

बैंकों ने चलाया ग्राम पंचायतों में जन सुरक्षा अभियान

महासमुंद। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक अनुराग वास्तव ने बताया है कि वित्तीय सेवा विभाग नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायतों में 01 अप्रैल 2023 से जन सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत् ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से वंचित हितग्राहियों को इसका लाभ दिलाने हेतु पंचायतों में संतृप्ति अभियान 1 अप्रैल 2023 से 30 जून 2023 तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत् प्रत्येक सप्ताह के विभिन्न दिनों में बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी, बैंक सखी, एफएलसीआरपी की मदद से संबंधित ग्राम पंचायतों में जन सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देगें, साथ ही डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने हेतु अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करेंगे।

राजनांदगांव भाजपा सोशल मीडिया की जिला कार्यकारिणी घोषित

राजनांदगांव। प्रदेश भाजपा की अनुशंसा पर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल ने सोशल मीडिया टीम की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। कार्यकारिणी में जय शर्मा राजनांदगांव को जिला संयोजक व सुशील कसेर छुरिया व अभिषेक सेन राजनांदगांव को सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

इसी प्रकार कार्यसमिति में स्वयं शर्मा राजनांदगांव, दिव्यांश जैन डोंगरगांव, लक्ष्मण यादव राजनांदगांव, पवन पटेल राजनांदगांव, तरणदीप सिंह राजनांदगांव, सौरभ सोनी राजनांदगांव, पवन साहू राजनांदगांव, टुमन वर्मा गठुला, तनु वर्मा डोंगरगढ़, तमेश कंवर छुरिया, इन्द्रदीप सेन राजनांदगांव, शुभम पाठक राजनांदगांव, विवेक जैन राजनांदगांव, दिनेश साहू डोंगरगढ़, लेखराम यादव घुमका तथा टीएल गंधर्व लालबहादुर नगर का नाम शामिल है।

भाजपा मीडिया सेल के अनुसार इसी प्रकार मंडलों में संयोजकों व सह-संयोजको की नियुक्ति की गई है। जिसके अनुसार राजनांदगांव शहर उत्तर मंडल से योगेश साहू संयोजक, राजनांदगांव दक्षिण से चिराग महेश्वरी संयोजक व डॉ. निलेश सिंह व ईशांत शर्मा सह-संयोजक, ग्रामीण मंडल से संदीप साहू संयोजक, गोपाल साहू व अविनाश साहू सह-संयोजक, डोंगरगढ़ शहर से निमेश अग्रवाल संयोजक, मुकेश रामटेके व मयंक डोंगरे सह-संयोजक, डोंगरगढ़ ग्रामीण से झुलेन्द्र वर्मा संयोजक व धर्मेन्द्र यादव सहसंयोजक, घुमका से गोविन्द सेन संयोजक व सागर वर्मा एवं डुलेश्वर साहू सह-संयोजक, डोंगरगांव से लोकेश यदु संयोजक, राजूगिरी गोस्वामी व नसीब रात्रे सह-संयोजक, लालबहादुर नगर से रजत साहू संयोजक व संदीप सिन्हा, घनश्याम यादव सह-संयोजक, छुरिया मंडल प्रदीप वर्मा संयोजक, हेमंत साहू व किशोर निषाद सह-संयोजक तथा कुमर्दा मंडल में शिवेन्द्र साहू को संयोजक व मनीष साहू एवं युगलकिशोर को सह- संयोजक का दायित्व दिया गया है।

बुजुर्ग से लाखों रुपये की लूटने वाले छह बदमाश पकड़ाया

दुर्ग। दुर्ग के पद्मनाभपुर थाना इलाके में बुजुर्ग के साथ लाखों रुपये की लूटपाट करने वाले छह लोगों को पुलिस ने बिलासपुर से हिरासत लिया है। पुलिस सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह पहले भी दो बार बालोद और एक बार बेमेतरा में लूटपाट की वारदात को अंजाम दे चुका है।

इस बार बिलासपुर गिरोह को अपना निशान बनाने के लिए जा रहे थे लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले ही दुर्ग पुलिस ने गिरोह के छह सदस्यों को हिरासत में लिया। पीड़ित ने सभी लोगों को पहचान लिया है। पुलिस इस मामले का जल्द खुलासा करेगी।

जानकारी के अनुसार, पद्मनाभपुर थाना इलाके के हनोदा के डायवर्जन के पास गांव भोथीपार पोस्ट चारभाटा गुंडरदेही जिला बालोद के बीएसपी से सेवानिवृत्त कर्मी पैगंबर सिंह मंडावी (63) से लूट की वारदात हुई है। ठगी करने वाले आरोपी 27 मार्च की शाम को

पीड़ित के घर पर पहुंचे।

आरोपियों ने बुजुर्ग से कहा कि आपके खेत के पास ही सड़क बन रही है। वो लोग वहां पर जेसीबी चला रहे हैं। अगर आपको भी कुछ काम करवाना है तो बताइए हमारे पास जेसीबी है, जो अभी खाली है। इस पर बुजुर्ग ने कहा कि खेत का समतलीकरण करवाना है, क्या खर्च लगेगा।

उसके बाद आरोपी ने कहा कि अपनी स्वेच्छा से जो देगे रख लेंगे। इसके बाद आरोपी 28 मार्च को जेसीबी लेकर उसके खेत में पहुंचे और खेत समतलीकरण का काम किया। आरोपियों ने काम करने के बाद बुजुर्ग से कहा कि इस काम करने के एवज में 27 लाख रुपये मेहनाताना हुआ है।

बुजुर्ग ने इतने रुपये देने से मना करते हुए सिर्फ 50 हजार रुपये देने की बात कही। इस पर आरोपी 50 हजार रुपये लेने के लिए भी तैयार हो गए। आरोपियों ने बुजुर्ग को धमकाया कि यदि उन्हें उनका रुपये नहीं नहीं देगे तो पुलिस से शिकायत करेंगे। बुजुर्ग आरोपियो की धमकी से डर गया और अगले दिन ही रुपये देने के लिए तैयार हो गया।

पीड़ित पैगंबर सिंह मंडावी 29 मार्च को एक आरोपी के साथ बाइक से भिलाई आया। रिसाली में रहने वाले अपने बड़े बेटे से एफडी के दस्तावेज लिए और सिविक सेंटर स्थित पंजाब नेशनल बैंक पहुंचकर एफडी तोड़वाकर 13 लाख 50 हजार रुपये निकाले। बुजुर्ग एक आरोपी के साथ वापस बालोद के लिए निकला। आरोपियों ने पहले से ही लूटपाट करने की योजना बनाकर बुजुर्ग से सुनसान इलाका देखकर लूट की वारदात को अंजाम दिया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

श्रीनगर में 22 से 24 मई के बीच होगी जी-20 बैठक

नईदिल्ली। दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने वाले बड़े जी20 शिखर सम्मेलन तक भारत इस समूह की 70 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। अगले महीने जी20 की बैठक जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में निर्धारित है। इसके अलावा केवडिया, हम्पी, ऋषिकेश और महाबलीपुरम जैसे दिलचस्प स्थानों पर भी जी-20 की बैठक होगी। जानकारी के मुताबिक भारत ने कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 22 मई से 24 मई तक श्रीनगर में पर्यटन कार्य समूह की तीन दिवसीय जी20 बैठक निर्धारित की है। अधिकारियों का कहना है कि यह अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति के एक बड़े संदेश के रूप में काम करेगा। केंद्र ने पहले कहा था कि श्रीनगर एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने 2022 में रिकॉर्ड 1.84 करोड़ पर्यटकों को देखा। जी20 प्रतिनिधियों को श्रीनगर के चारों ओर ले जाया जाएगा और कार्यक्रम होने से पहले शहर को सुशोभित किया जाएगा।

कांग्रेस नेता सीआर केसवन भाजपा में शामिल हुए

नईदिल्ली। कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। देश के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी राजगोपालाचारी के पोते और कांग्रेस के पूर्व नेता सीआर केसवन शनिवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, भाजपा सांसद अनिल बलूनी सहित तमाम नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने के बाद सीआर केसवन ने कहा कि मैं अपने घर में ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्हें पीएम आवास योजना से पक्का घर मिला है। 3 करोड़ घर बन चुके हैं...अमित शाह ने एक बार कहा था कि डीबीटी पहले डीलर ब्रोकर ट्रांसफर था, लेकिन अब यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर हो गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की जन-केंद्रित नीतियां, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और सुधार-आधारित समावेशी विकास एजेंडा ने भारत को एक नाजुक अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया है।

कुछ लोग विदेशी जमीन पर देश की छवि बिगाड़ रहे : धनखड़

नईदिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि यह दुखदायी होता है जब कुछ लोग विदेशी जमीन पर उभरते भारत की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। दिल्ली में समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि यह दुखद है जब हमारे बीच कुछ लोग विदेशी भूमि पर उभरते हुए भारत की छवि को खराब करने की कोशिश करते हैं। इसे रोका जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, जिसके दिल में देश का हित है, वह हमेशा इस बारे में बात करेगा कि भारत क्या कर रहा है और उसे कहां सुधार करना चाहिए। मेरा मानना है कि हमारे नेताओं को विदेशी धरती पर देश की आलोचना करने के बजाय उन कमियों या उन क्षेत्रों को दूर करने पर काम करना चाहिए जहां हम कमी कर रहे हैं।

अडानी मुद्दे पर शरद पवार के बयान पर राउत ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि शरद पवार ने कहा कि विपक्ष जेपीसी की मांग कर रहा है लेकिन इससे कुछ नहीं निकलेगा क्योंकि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष भाजपा का होगा...अडानी को लेकर टीएमसी, एनसीपी की अपनी राय है लेकिन इससे विपक्षी एकता प्रभावित नहीं होगी। इससे पहले शरद पवार ने कहा था कि अडानी मामले की जेपीसी की जांच की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा था सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति प्रासंगिक मुद्दों की जांच कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट में अडानी समूह को निशाना बनाया गया था। शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस जेपीसी की मांग कर रही है जिसमें सत्ता पक्ष के ही लोगों की बहुमत होगी। इंटरव्यू के एक दिन बाद पवार ने शनिवार को कहा कि यह सच है कि एनसीपी उन विपक्षी दलों में से एक है जो संसद में अडानी मुद्दे पर जेपीसी की मांग में शामिल हो गए हैं।

दिल्ली की शिक्षा क्रांति के पीछे सिसोदिया का हाथः केजरीवाल

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मनीष सिसोदिया को शिक्षा क्रांति का शिल्पकार बताते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में उनके उपलब्धियों का देश भर में प्रभाव था। देश भर की सरकारों पर धीरे-धीरे सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को बंद करके उनकी जगह निजी स्कूलों को स्थापित करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा कि सिसोदिया के आने तक दिल्ली में गरीब परिवारों के बच्चों ने अपने शैक्षणिक सपनों को छोड़ दिया था। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि आज, दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चे आईआईटी में प्रवेश ले रहे हैं और अखिल भारतीय चिकित्सा परीक्षा पास कर रहे हैं। यह एक क्रांति है। इसके साथ ही केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली ने पिछले 8 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति देखी है, इस क्रांति के पीछे केवल एक व्यक्ति है- मनीष सिसोदिया। उन्होंने कहा कि इस स्कूल में फ्रेंच-जर्मन-स्पेनिश-जापानी पढ़ाई जाती है।

प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में 11,360 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

कुछ मुट्ठीभर लोग विकास से बौखलाए : मोदी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तेलंगाना दौरे थे। तेलंगाना में उन्होंने सिकंदराबाद और तिरुपति के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और स्कूली बच्चों से बातचीत की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना-आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाली एक और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। यह ट्रेन एक प्रकार से आस्था, आधुनिकता और टूरिज्म को जोड़ने वाली है। इसके साथ ही आज यहां 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। आज यहां 13 एमएमटीएस सर्विस शुरू हुई है, एमएमटीएस का तेज़ी से विस्तार हो सके जिसके लिए तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपए रखे गए हैं। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रेलवे के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा यहां हाईवे के प्रोजेक्ट का तेज़ी से विकास किया जा रहा है। केंद्र सरकार तेलंगाना में आधुनिक नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जुटी है। मोदी ने कहा कि आज का नया भारत, 21वीं सदी का नया भारत, देश के कोने-कोने में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। केंद्र सरकार भी तेलंगाना में हाईवे नेटवर्क का तेजी से विकास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर लोग विकास कार्यों से बौखलाए हुए हैं, ऐसे लोग जो परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को पोषित करते रहे उन्हें काम करने वाले लोगों से परेशानी हो रही है। इन्हें देश, समाज के भले से कोई लेनादेना नहीं है। इन्हें सिर्फ अपने कुंबे को फलता-फूलता देखना पसंद है। तेलंगाना को ऐसे लोगों से सतर्क रहना ज़रूरी है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह तमिलनाडु के लिए दूसरी वंदे भारत ट्रेन की सौगात है।

मोदी के कार्यक्रम से मुख्यमंत्री केसीआर ने फिर बनाई दूरी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव शनिवार को हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी करने के वक्त मौजूद नहीं रहे। पीएम मोदी 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए राज्य के दौरे पर थे। पीएम मोदी हैदराबाद में सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाने के बाद में सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित किया। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री केसीआर ने प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं की है। पिछले साल नवंबर में, जब पीएम मोदी रामागुंडम उर्वरक संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए तेलंगाना में थे, राव ने उन्हें रिसीव नहीं किया। उस समय सीएमओ ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके साथ दौरे के ब्यौरों का समन्वय नहीं किया था। उन्होंने यह भी महसूस किया कि मुख्यमंत्री को दिया गया निमंत्रण उनके कार्यालय के अनुरूप नहीं था। सीएमओ ने ट्वीट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए निमंत्रण पत्र में राव का नाम नदारद होने का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना में राज्य सरकार की 11 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। एक बार फिर, केसीआर ने पीएम मोदी की अगवानी नहीं की, जब वह पिछली जुलाई में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए हैदराबाद में थे। मई में पीएम यहां इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस में 20वें वार्षिक समारोह के लिए आए थे, जहां केसीआर फिर से इससे दूरी बना ली थी। इससे पहले फरवरी में, मुख्यमंत्री फिर से गायब हो गए थे जब पीएम मोदी ने स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी का अनावरण किया था।

मोदी ने चेन्नई हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1,260 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नए एकीकृत टर्मिनल भवन (फेज-1) का उद्घाटन किया। एकीकृत भवन को खास तौर पर राज्य की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। सरकार ने कहा है, इस नए एकीकृत टर्मिनल भवन से हवाई अड्डे की यात्री सेवा क्षमता 2.3 करोड़ यात्री प्रति वर्ष से बढ़कर तीन करोड़ यात्री की हो जाएगी। नया टर्मिनल स्थानीय तमिल संस्कृति का एक आकर्षक प्रतिबिंब है, जिसमें कोलम (रंगोली), साड़ी, मंदिर और अन्य तत्व शामिल हैं जो प्राकृतिक परिवेश को उजागर करते हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने कहा कि स्तंभों को ताड़ के पेड़ के दृश्य प्रभाव के हिसाब से डिजाइन किया गया है। छत को रंगीन रोशनी से सजाया गया है, जो दक्षिण भारत के कोलम पैटर्न को दर्शाता है और छत का डिजाइन भरतनाट्यम से प्रेरित है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन सहित अन्य नेता इस दौरान उपस्थित थे। प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री स्टालिन का हाथ पकड़कर टर्मिनल के चारों ओर घूमते हुए देखा गया। इस दौरान दोनों नेता मुस्कुराते दिखे। इससे पहले पीएम मोदी का चेन्नई एयरपोर्ट पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, राज्यपाल आरएन रवि और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पीएम मोदी का स्वागत किया। चेन्नई पहुंचने से पहले पीएम मोदी ने तेलंगाना के हैदराबाद में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ ही एक जनसभा को भी संबोधित किया था।

ईवीएम पर विपक्षी एकता में बिखराव

मुझे इस पर पूरा भरोसा : अजीत पवार

मुंबई। देश में राजनीतिक चर्चाओं का दौर लगातार जारी रहता है। ईवीएम को लेकर भी चर्चा होती है। ईवीएम पर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहता है। हाल में ही एनसीपी प्रमुख शरद पवार के यहां ईवीएम को लेकर एक बड़ी बैठक भी हुई थी। लेकिन इस मुद्दे पर शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार का बयान विपक्षी एकता को बड़ा झटका दे सकता है। अजित पवार ने साफ तौर पर कहा है कि मुझे ईवीएम पर पूरा विश्वास है। अपने बयान में अजित पवार ने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से ईवीएम पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि अगर ईवीएम खराब होती तो छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें नहीं होतीं।

अजित पवार ने साफ तौर पर कहा कि हमारे देश में ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। यह पूरी तरह से एक बड़ी प्रणाली है, इसमें बहुत सारे चेक और बैलेंस शामिल हैं। महाराष्ट्र एलओपी ने कहा कि अगर किसी तरह यह साबित हो जाता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई तो देश में बड़ा बवाल खड़ा हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा। महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कई बार कुछ लोग चुनाव हार जाते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि हम हार नहीं सकते, फिर वे ईवीएम को लेकर आरोप लगाने लगते हैं। लेकिन वास्तव में यह जनता का वास्तविक जनादेश है। इससे पहले विपक्षी दलों के एक समूह द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चिंता जताए जाने के कुछ दिनों बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि इस बारे में राजनीतिक दलों को समझाना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ने उन सभी के पक्ष में परिणाम दिए हैं, जिन्होंने इसकी विश्वसनीयता पर चिंता जताई है। कई विपक्षी दलों ने पिछले सप्ताह ईवीएम की विश्वसनीयता पर चिंता जताई थी और निर्वाचन आयोग से उनकी शंकाओं को दूर करने का आग्रह किया था।

असम सीएम सरमा का राहुल गांधी पर पलटवार

गुवाहाटी। अदाणी मामले को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। सरमा ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह हमारी शालीलना थी कि हमने आपसे कभी नहीं पूछा कि आपने बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड घोटालों से अपराध की कमाई कहां छिपाई है। खैर, हम अदालत में मिलेंगे। दरअसल, राहुल गांधी ने आज एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी समेत छह नेताओं पर निशाना साधा था। उन्होंने गौतम अदाणी, गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण कुमार रेड्डी, हिमंत बिस्व सरमा और अनिल एंटनी पर निशाना साधते हुए अपने ट्वीट में लिखा, सच्चाई छुपाते हैं, इसलिए रोज भटकाते हैं। सवाल वही है- अदाणी की कंपनियों में बीस हजार करोड़ बेनामी पैसे किसके हैं? कांग्रेस नेता अदाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट सामने आने के बाद से लगातार हमलावर हैं। असम में 14 अप्रैल को बिहू उत्सव मनाया जाएगा जिसमें 14,000 से अधिक लड़के और लड़कियां भाग लेंगे। इस मौके पर पीएम नरेंद्र नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। मैं असम आने और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त करता हूं।

खेल
प्रमुख समाचार

नहीं रुक रहा दिल्ली की हार का सिलसिला

आईपीएल 2023 का आज 11वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच असम के गुवाहाटी में खेला गया। अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 57 रनों से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। हालांकि, दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर का यह फैसला गलत साबित हुआ। राजस्थान की दोनों ही सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और जॉस बटलर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दोनों के बीच 98 रनों की साझेदारी हुई। राजस्थान की टीम 20 ओवर में 199 रन बनाने में कामयाब हुई। 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम 145 रन ही बना सकी। दिल्ली की ओर से कप्तान डेविड वार्नर ने 55 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली। इसके अलावा ललित यादव ने 24 गेंदों में 38 रन बनाए। राजस्थान की ओर से ट्रेंट बोल्ट और यूज़वेंद्र चहल ने तीन-तीन विकेट चटकाए जबकि आर अश्विन के खाते में दो विकेट किया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (60 रन) और जोस बटलर (79 रन) ने शानदार लय जारी रखते हुए अर्धशतकीय पारियां खेली। जायसवाल और बटलर की सलामी जोड़ी ने 51 गेंद में 98 रन की साझेदारी निभायी। जायसवाल ने 31 गेंद की दर्शनीय पारी के दौरान 11 चौके और एक छक्का जड़ा जबकि बटलर ने 51 गेंद में 11 चौके और एक छक्का लगाया। शिमरोन हेटमायर ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए आखिर में 21 गेंद में एक चौके और दो छक्के से नाबाद 39 रन बनाये। इसमें से दो छक्के अंतिम ओवर में जड़े थे। जायसवाल ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए पहले ही ओवर में खलील अहमद पांच चौके जड़कर टीम को धुआंधार शुरुआत करायी जिससे यह इस आईपीएल का सबसे मंहगा पहला ओवर भी रहा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

मुश्किल में फंसे अडानी ने 10 लाख लोगों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने सीएनजी-पीएनजी की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। अडानी टोटल ने सीएनजी की कीमत में 8.13 प्रति किलोग्राम और पीएनजी की कीमत में 5.06 प्रति एससीएम की कटौती कर दी है। अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने अपने 10 लाख ग्राहकों को राहत दी है। केंद्र सरकार के डॉमेस्टिक गैस प्राइसिंग का नए फॉर्मूले के ऐलान के बाद अडानी की ओर से इसे लागू करने में कोई देरी नहीं की गई और कुछ घंटों बाद ही उन्होंने सीएनजी-पीएनजी के रेट घटा दिए। अडानी टोटल की ओर से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक उन्होंने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले का लाभ अडानी टोटल गैस के ग्राहकों को मिलेगा। पीएनजी की कीमत में कटौती का लाभ 7 लाख घरों को और सीएनजी की कीमतों में कटौती का लाभ 3 लाख ग्राहकों तो रोजाना मिलेगा।

अंबानी के कैंपा कोला लॉन्च से बेवरेज सेक्टर में भूचाल

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी लगातार अपने कारोबार का विस्तार कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से रिलायंस अपने रिटेल सेक्टर को बढ़ाने में जुटा है। हाल ही में जियो ने कैंपा कोला लॉन्च कर बेवरेज सेक्टर में भूचाल ला दिया। अब अंबानी एफएमसीजी सेक्टर में अपना दबदबा बढ़ाने के लिए बड़ी तैयारी कर ली है। इसके लिए उन्होंने प्लान भी तैयार कर लिया है। हाल ही में रिलायंस ने कैंपा कोला ब्रांड को दोबारा मार्केट में लॉन्च किया। रिलायंस ने इस कोल्ड ड्रिंक्स की कीमत बाजार में पहले से उपलब्ध प्रोडक्ट्स की कीमतों को 30-35 फीसदी कम रखा। रिलायंस के इस प्राइस वॉर से बाकी कंपनियों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। जिस तरह अंबानी ने रिलायंस जियो लॉन्च कर टेलीकॉम इंडस्ट्री में भूचाल ला दिया, अब उसी तरह का बदलाव वो रिटेल सेक्टर में लाने की तैयारी कर रहे हैं।

खाद्य वस्तुओं की नरमी से 6% के नीचे आ सकती है महंगाई

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम घटने से मार्च, 2023 में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से कम रह सकती है। खुदरा कीमतों पर आधारित महंगाई पिछले दो महीने से लगातार आरबीआई के 6 फीसदी से संतोषजनक दायरे से ऊपर रही है। रॉयटर्स की ओर कराए गए सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने कहा, खुदरा महंगाई में लगभग आधी हिस्सेदारी रखने वाले खाद्य वस्तुओं की महंगाई में सब्जियों के दाम घटने के कारण सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई में कमी थोड़ी सीमित रह सकती है। इसके बावजूद सीपीआई महंगाई 5.80 फीसदी रह सकती है। सरकार मार्च के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अप्रैल, 2023 को जारी कर सकती है। इससे पहले फरवरी, 2023 में खुदरा महंगाई 6.44 फीसदी और जनवरी में 6.52 फीसदी रही थी।

वित्त वर्ष 2023 में खुले 2.5 करोड़ नए डीमैट खाते

नईदिल्ली। वित्त वर्ष 2023 में 20 लाख मासिक के औसत से करीब 2.5 करोड़ डीमैट खाते खुले। बाजार में सुस्त रिटर्न और उतारचढ़ाव जारी रहने के बावजूद ऐसा हुआ। दो डिपॉजिटरी सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (सीडीएसएल) और नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (एनएसडीएल) के पास डीमैट खातों की संख्या में पिछले 12 महीने में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और कुल डीमैट खाते 8.97 करोड़ से बढ़कर 11.44 करोड़ हो गए। वित्त वर्ष 23 में बेंचमार्क निफ्टी 0.6 फीसदी टूटा जबकि मिडकैप में 1.2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी हुई और स्मॉलकैप सूचकांक 13.8 फीसदी टूट गए। वैश्विक केंद्रीय बैंकों की तरफ से ब्याज दरों में हुई लगातार बढ़ोतरी, रूस-यूक्रेन युद्ध, उच्च महंगाई और विकसित दुनिया में बैंकिंग संकट ने पिछले वित्त वर्ष में उतारचढ़ाव में इजाफा किया।

रिजर्व बैंक का साहसिक कदम और मुद्रास्फीति नियंत्रण की नई राह

प्रहलाद सबनानी

पिछले एक वर्ष से भी अधिक समय से पूरे विश्व में लगभग सभी देश लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करते जा रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने यूएस फेड दर में 25 आधार अंकों की एवं ब्रिटेन ने केंद्रीय ब्याज दर में 50 आधार अंकों की वृद्धि की है। यही स्थिति लगभग सभी विकसित देशों की है। इन देशों में हालांकि ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने से मुद्रास्फीति पूर्णत: नियंत्रण में आती दिखाई नहीं दे रही है। विकसित देश, यदि ब्याज दरों में वृद्धि करते हैं, तो अन्य देशों को अपनी मुद्रा के बाजार मूल्य को बचाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करना मजबूरी बन जाता है।

परंतु, छह अप्रैल को संपन्न हुई भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया गया है। वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक परिस्थितियों के बीच इसे एक साहसिक निर्णय कहा जा सकता है। अब संभावना व्यक्त की जा रही है कि अन्य देश भी (विकसित देशों सहित) रिजर्व बैंक के इस निर्णय का अनुसरण कर सकते हैं। एक तरह से भारत ने इस संदर्भ में अन्य देशों को राह ही दिखाई है।

दरअसल, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए विकसित देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को विपरीत रूप से प्रभावित करता नजर आ रहा है, जबकि इससे मुद्रास्फीति पर नियंत्रण होता दिखाई नहीं दे रहा है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में अब पुराने सिद्धांत भोथरे साबित हो रहे हैं। और फिर, केवल मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना, ताकि बाजार में वस्तुओं की मांग कम हो, एक नकारात्मक निर्णय है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए मांग में कमी लाकर उत्पादन कम करने जैसे निर्णयों के स्थान पर आपूर्ति को बढ़ाए जाने जैसे सकारात्मक प्रयास किए जाने चाहिए। इससे उत्पादन बढ़ेगा, विकास की गति तेज होगी एवं रोजगार के और अधिक नए अवसर निर्मित होंगे। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक को निर्देश दिए हैं कि भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर चार प्रतिशत रहनी चाहिए। कोरोना महामारी के बाद एवं रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर सात प्रतिशत से अधिक हो गई थी। अत: रिजर्व बैंक ने रेपो दर में पिछले एक वर्ष के दौरान 250 आधार अंकों की वृद्धि करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर पहुंचा दिया। ऐसे निर्णयों के कारण भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर अब घटती भी जा रही है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर घटकर 5.2 प्रतिशत हो जाएगी। जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर फरवरी 2023 माह में घटकर 3.85 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है। दूसरे, भारत में ब्याज दरों को बढ़ने से रोकना इसलिए भी जरूरी है कि पिछले कुछ समय से आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के चलते बैंकों से ऋण सुविधाओं का उपयोग बहुत बढ़ रहा है। ब्याज दरों में वृद्धि होने से ऋण की लागत भी बढ़ती है, जो अंतत: उत्पादन की लागत को भी विपरीत रूप से प्रभावित करती है। तीसरे, भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में अब मजबूत हो रहा है। विकसित देशों द्वारा, विशेष रूप से अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते कुछ समय पूर्व तक भारतीय रुपये पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में दबाव दिखाई दे रहा था। अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 83 रुपये प्रति डॉलर को भी पार कर गया था, परंतु छह अप्रैल को यह सुधरकर 81.90 रुपये प्रति डॉलर हो गया है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 10 मार्च, 2023 के स्तर 56,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 24 मार्च, 2023 को 57,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। अत: अब भारत को अमेरिकी ब्याज दरों का अनुसरण करने की जरूरत नहीं है।

फैक्ट चेक यूनिट पर मचा बवाल

विरोध के बीच फेक न्यूज की जांच के लिए केंद्र सरकार ने एक निकाय बनाने की घोषणा की है। संशोधित नियमों को जारी करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि अगर इंटरनेट कंपनियां फैक्ट चेकर द्वारा जांच की गई गलत या भ्रामक जानकारी को अपने प्लेटफॉर्म से हटाने में विफल रहती हैं तो वो अपना विशेषाधिकार खो सकती हैं। सरकार के इस फैसले का विरोध और तेज हो गया है। एडिटर्स गिल्ड ने कहा कि इससे देश में प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसने नियमों को कठोर करार देते हुए वापस लेने की भी मांग की है। सरकार का फैक्ट चेक निकाय क्या है और कैसे काम करेगा? किन माध्यमों पर इसका असर होगा? इसका विरोध क्यों हो रहा है? विरोध पर सरकार का क्या रुख है? आइये जानते हैं। केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन को गुरुवार को अधिसूचित कर दिया। इसके तहत एक निकाय बनाया जाएगा। यह निकाय इंटरनेट कंपनियों (इसके तहत गूगल, फेसबुक, ट्विटर से लेकर सभी समाचार और गैर-समाचार कंपनियां शामिल हैं) की समाग्रियों की जांच करेगा। अगर निकाय की जांच में कोई पोस्ट या खबर भ्रामक या गलत होती है तो संबंधित कंपनियों को सरकार उस कंटेंट को हटाने का आदेश देगी। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को ऐसी सामग्री के यूआरएल को भी हटाना होगा। यदि संबंधित कंपनी ऐसा करने में विफल रहती हैं तो संबंधित कंपनी पर भी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया के मामले में जानकारी डालने वाला यूजर भी कार्रवाई के दायरे में होगा।

इंटरनेट प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे गूगल, फेसबुक, ट्विटर और इंटरनेट सेवा प्रदाता आदि एक मध्यस्थ के दायरे में आते हैं। विशेषाधिकार कानून मध्यस्थ को उनके उपयोगकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की गई किसी भी आपत्तिजनक सामग्री के लिए कानूनी कार्रवाई से बचाता है। नए नियम में इसमें संसोधन किया गया है। अब भ्रामक या गलत जानकारी को नहीं हाटने की स्थिति में ये कंपनियां भी कार्रवाई के दायरे में आएंगी। कौन सी पोस्ट या खबर फर्जी या भ्रामक है, इसका फैसला करने के लिए एक निकाय बनाया जाएगा। यह निकाय आईटी मंत्रालय के मातहत आएगा। यह फैक्ट चेक निकाय ऑनलाइन सामग्री के केवल उस सामग्री की पड़ताल के लिए जिम्मेदार होगा जो सरकार से संबंधित हैं। इस बात की संभावना है कि यह एक पीआईबी फैक्ट चेक इकाई होगी जिसे अधिसूचित किया जाएगा। हमने पीआईबी फैक्ट चेक को नियम के तहत स्पष्ट रूप से नहीं कहा है, इसका कारण यह है कि इसे आईटी नियम के तहत अधिसूचित नहीं किया गया है। मध्यस्थों ने सरकार से एक फैक्ट चेकर को सूचित करने के लिए कहा है, जिस पर वे फर्जी सूचनाओं के बारे में भरोसा कर सकें। प्रेस से जुड़े संस्थानों ने संशोधित नियमों पर कड़ा ऐतराज जताया है। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) ने कहा है कि नए आईटी नियमों का देश में प्रेस की स्वतंत्रता पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। एक प्रेस नोट में संस्था ने फैक्ट चेकिंग यूनिट पर भी सवाल उठाए हैं।

इसने कहा कि इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि फैक्ट चेकिंग यूनिट में, न्यायिक निरीक्षण, अपीलीय अधिकार, या सामग्री को हटाने या सोशल मीडिया हैंडल को ब्लॉक करने से जुड़े श्रेया सिंघल बनाम भारत सरकार केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए शासी तंत्र क्या होगा। ईजीआई ने दावा किया कि यह सब नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है और सेंसरशिप के समान है। संस्थान ने आगे कहा कि मंत्रालय ने बिना किसी सार्थक परामर्श के इस संशोधन को अधिसूचित किया है। ऐसे कठोर नियमों की मंत्रालय की अधिसूचना खेदजनक है। अंत में गिल्ड ने मंत्रालय से दोबारा इस अधिसूचना को वापस लेने और मीडिया संगठनों और प्रेस निकायों के साथ परामर्श करने को कहा है।

संकल्प पूरे करने का अमृतकाल

प्रो. संजय द्विवेदी

एक राष्ट्र के लिए, विशेष रूप से भारत जैसे प्राचीन देश के लंबे इतिहास में, 75 वर्ष का समय बहुत छोटा प्रतीत होता है। लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर यह कालखंड एक जीवन-यात्रा जैसा है। हमारे वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवनकाल में अद्भुत परिवर्तन देखे हैं। वे गवाह हैं कि कैसे आजादी के बाद सभी पीढ़ियों ने कड़ी मेहनत की, विशाल चुनौतियों का सामना किया और स्वयं अपने भाग्य-विधाता बने। इस दौर में हमने जो कुछ सीखा है, वह सब उपयोगी साबित होगा, क्योंकि हम राष्ट्र की यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हम सब 2047 में स्वाधीनता के शताब्दी उत्सव तक की 25 वर्ष की अवधि यानि भारत के अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं।

हमारे स्वाधीनता संग्राम ने एक राष्ट्र के तौर पर भारत की नई यात्रा की रूपरेखा तैयार की थी। हमारा स्वाधीनता संग्राम उन संघर्षों और बलिदानों की अविरल धारा था, जिसने आजाद भारत के लिए कितने ही आदर्शों और संभावनाओं को सींचा था। पूज्य बापू ने हमें स्वराज, स्वदेशी, स्वच्छता और सत्याग्रह द्वारा भारत के सांस्कृतिक आदर्शों की स्थापना का मार्ग दिखाया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहेब आंबेडकर, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू, चंद्रशेखर आजाद जैसे अनगिनत स्वाधीनता सेनानियों ने हमें राष्ट्र के स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की शिक्षा दी। रानी लक्ष्मीबाई, रानी वेलु नचियार, रानी गाइदिन्ल्यू और रानी चेन्नम्मा जैसी अनेकों वीरांगनाओं ने राष्ट्ररक्षा और राष्ट्रनिर्माण में नारीशक्ति की भूमिका को नई ऊंचाई दी। संथाल क्रांति, पाइका क्रांति से लेकर कोल क्रांति और भील क्रांति ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी योगदान को और सशक्त किया। सामाजिक उत्थान एवं देश-प्रेम के लिए 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान से हमें प्रेरणा मिली।

हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है। इसलिए हमें अपने देश की सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए अपना सब कुछ अर्पण कर देने का संकल्प लेना चाहिए। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही दिखाई देगी। कन्नड़ा भाषा के माध्यम से भारतीय साहित्य को समृद्ध करने वाले महान कवि 'कुवेम्पु' ने कहा है- नानु अलिवे, नीनु अलिवे, नम्मा एलु-बुगल मेले, मूडु-वुदु मूडु-वुदु, नवभारत-द लीले। अर्थात-'मैं नहीं रहूंगा, न रहोगे तुम, परन्तु हमारी अस्थियों पर, उदित होगी, उदित होगी, नए भारत की महागाथा।'

'कुवेम्पु' का यह स्पष्ट आह्वान है कि मातृभूमि तथा देशवासियों के उत्थान के लिए सर्वस्व बलिदान करना हमारा आदर्श होना चाहिए। इन आदर्शों को अपनाने के लिए हमें अपने देश के युवाओं से बहुत उम्मीदें हैं। ये युवा ही 2047 के भारत का निर्माण करेंगे।

एक संसदीय लोकतंत्र के रूप में 75 वर्षों में भारत ने प्रगति के संकल्प को सहभागिता एवं सर्व-सम्मति से आगे बढ़ाया है। विविधताओं से भरे अपने देश में हम अनेक भाषा, धर्म, संप्रदाय, खान-पान, रहन-सहन, रीति-रिवाजों को अपनाते हुए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में सक्रिय हैं। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर आया ये अमृतकाल भारत के लिए नए संकल्पों का कालखंड है। भारत आज हर क्षेत्र में विकास का नया अध्याय जोड़ रहा है। कोरोना महामारी के वैश्विक संकट का सामना करने में भारत ने जिस तरह का सामर्थ्य दिखाया है, उसने पूरे विश्व में भारत की साख बढ़ाई है। हम हिंदुस्तानियों ने अपने प्रयासों से न सिर्फ इस वैश्विक चुनौती का सामना किया, बल्कि दुनिया के सामने नए मापदंड भी स्थापित किए, जिसमें भारत का कोरोना वैक्सीन की 200 करोड़ डोज़ लगाने का कीर्तिमान भी शामिल है। इस पूरी लड़ाई में भारत के लोगों ने जिस संयम, साहस और सहयोग का परिचय दिया, वो एक समाज के रूप में हमारी बढ़ती हुई शक्ति और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

भारत ने इन मुश्किल हालात में न केवल खुद को संभाला, बल्कि दुनिया की मदद भी की। कोरोना महामारी से बने माहौल में, आज दुनिया भारत को नए विश्वास से देख रही है। आज देश में स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थव्यवस्था तथा इनके साथ जुड़े अन्य क्षेत्रों में जो अच्छे बदलाव दिखाई दे रहे हैं, उनके मूल में सुशासन पर विशेष बल दिए जाने की प्रमुख भूमिका है। जब 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से कार्य किया जाता है, तो उसका प्रभाव प्रत्येक निर्णय एवं कार्यक्षेत्र में दिखाई देता है। यह बदलाव विश्व समुदाय में भारत की प्रतिष्ठा में भी दिखाई दे रहा है। दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए, सप्लाई चेन की सुगमता के लिए, और वैश्विक शांति के लिए दुनिया को भारत से बहुत उम्मीदें हैं। इसी का परिणाम है कि भारत अपनी अध्यक्षता में ज-20 ग्रुप की मेजबानी भी कर रहा है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि देश के युवा जब आगे बढ़ते हैं, तो वे सिर्फ अपना ही भाग्य नहीं बनाते, बल्कि देश का भी भाग्य बनाते हैं। आज हम इसे सच होते देख रहे हैं।

वोकल फॉर लोकल से लेकर डिजिटल इंडिया तक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा आज का भारत विश्व के साथ कदम से कदम मिला कर 'औद्योगिक क्रांति 4.ह्न' के लिए पूरी तरह तैयार है। रिकॉर्ड संख्या में बन रहे स्टार्ट-अप्स में, नए-नए इनोवेशन में, दूर-सुदूर क्षेत्रों में डिजिटल टेक्नोलॉजी की स्वीकार्यता में भारत के युवाओं की बड़ी भूमिका है। बीते वर्षों में भारत ने जिस तरह महिला सशक्तिकरण के लिए निर्णय लिए हैं, नीतियां बनाई हैं, उससे भी देश में एक नई शक्ति का संचार हुआ है। हम सभी की इच्छा है कि हमारी सभी बहनें और बेटियां अधिक से अधिक सशक्त हों तथा वे देश के हर क्षेत्र में अपना योगदान बढ़ाती रहें। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्त्री-पुरुष के आधार पर असमानता कम हो रही है। महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी। आज हमारी पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या चौदह लाख से कहीं अधिक है। आज देश के युवा न केवल अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के भारत की नींव भी रख रहे हैं।

विकास और प्रगतिशीलता का अर्थ निरंतर आगे बढ़ना होता है, लेकिन साथ ही अपने अतीत का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। आज जब पूरा विश्व Sustainable Planet की बात कर रहा है, तो उसमें भारत की प्राचीन परंपराओं, हमारे अतीत की Sustainable Lifestyle की भूमिका और बढ़ जाती है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। यही संवेदनशीलता आज वैश्विक अनिवार्यता बन गई है। हमें इस बात की प्रसन्नता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। हमारा भारत अनेक विविधताओं से भरा देश है। परंतु इस विविधता के साथ ही हम सभी में कुछ न कुछ ऐसा है जो एक समान है। यही समानता हम सभी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोती है तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत अपने पहाड़ों, नदियों, झीलों और वनों तथा उन क्षेत्रों में रहने वाले जीव-जंतुओं के कारण भी अत्यंत आकर्षक है। आज जब हमारे पर्यावरण के सम्मुख नई-नई चुनौतियां आ रही हैं, तब हमें भारत की सुंदरता से जुड़ी हर चीज का दृढ़तापूर्वक संरक्षण करना चाहिए। जल, मिट्टी और जैविक विविधता का संरक्षण हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है। प्रकृति की देखभाल मां की तरह करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। हम भारतवासी अपनी पारंपरिक जीवन-शैली से पूरी दुनिया को सही राह दिखा सकते हैं। योग एवं आयुर्वेद विश्व-समुदाय को भारत का अमूल्य उपहार है जिसकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में निरंतर बढ़ रही है।

अमृतकाल का ये समय सोते हुए सपने देखने का नहीं, बल्कि जागृत होकर अपने संकल्प पूरे करने का है। आने वाले 25 साल, परिश्रम की पराकाष्ठा, त्याग, तप-तपस्या के 25 वर्ष हैं। सैंकड़ों वर्षों की गुलामी में हमारे समाज ने जो गंवाया है, ये 25 वर्ष का कालखंड, उसे दोबारा प्राप्त करने का है। इसलिए आजादी के इस अमृत महोत्सव में हमारा ध्यान भविष्य पर ही केंद्रित होना चाहिए। हमारे समाज में एक अद्भुत सामर्थ्य है। ये एक ऐसा समाज है, जिसमें चिर पुरातन और नित्य नूतन व्यवस्था है। हालांकि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि समय के साथ कुछ बुराइयां व्यक्ति में भी, समाज में भी और देश में भी प्रवेश कर जाती हैं। जो लोग जागृत रहते हुए इन बुराइयों को जान लेते हैं, वो इन बुराइयों से बचने में सफल हो जाते हैं। ऐसे लोग अपने जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त कर पाते हैं। हमारे समाज की विशेषता है कि इसमें विशालता भी है, विविधता भी है और हजारों साल की यात्रा का अनुभव भी है। इसलिए हमारे समाज में, बदलते हुए युग के साथ अपने आप को ढालने की एक अलग ही शक्ति है।

हमारे ऋषियों ने उपनिषदों में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मामृतं गमय' की प्रार्थना की है। यानी, हम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। परेशानियों से अमृत की ओर बढ़ें। अमृत और अमरत्व का रास्ता बिना ज्ञान के प्रकाशित नहीं होता। इसलिए, अमृतकाल का ये समय हमारे ज्ञान, शोध और इनोवेशन का समय है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी होंगी और जिसका विस्तार आधुनिकता के आकाश में अनंत तक होगा। हमें अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपने संस्कारों को जीवंत रखना है। अपनी आध्यात्मिकता को, अपनी विविधता को संरक्षित और संवर्धित करना है। और साथ ही, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, हेल्थ की व्यवस्थाओं को निरंतर आधुनिक भी बनाना है। आज भारत किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऑर्गेनिक फार्मिंग और नैचुरल फार्मिंग की दिशा में प्रयास कर रहा है। इसी तरह क्लीन एनर्जी के और पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया को भारत से बहुत अपेक्षाएं हैं। आज क्लीन एनर्जी के कई विकल्प विकसित हो रहे हैं। इसे लेकर भी जनजागरण के लिए बड़े अभियान की जरूरत है। हम सब मिलकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति दे सकते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

वज्रसूचिकापानषद् (भाग-02)

गतांक से आगे...

उर्वशी नामक अप्सरा से वसिष्ठ की, कुम्भ (कलश) से अगस्त्य ऋषि की उत्पत्ति वर्णित है। इस प्रकार पूर्व में ही कई ऋषि बिना (ब्राह्मण) जाति के ही प्रकाण्ड विद्वान् हुए हैं, इसलिए जाति विशेष भी ब्राह्मण नहीं हो सकती। क्या ज्ञान को ब्राह्मण माना जाए? ऐसा भी नहीं हो सकता; क्योंकि बहुत से क्षत्रिय (राजा जनक) आदि भी परमार्थ दर्शन के ज्ञाता हुए हैं (होते हैं)।

अस्तु, ज्ञान भी ब्राह्मण नहीं हो सकता। तो क्या कर्म को ब्राह्मण कहा जाए ? नहीं, ऐसा भी सम्भव नहीं है; क्योंकि समस्त प्राणियों के संचित, प्रारब्ध और आगामी कर्मों में साम्य प्रतीत होता है तथा कर्माभिप्रेरित होकर ही व्यक्ति क्रिया करते हैं। अत: कर्म को भी ब्राह्मण नहीं कहा जा सकता।

क्या धार्मिक ब्राह्मण हो सकता है? यह भी सुनिश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता; क्योंकि क्षत्रिय आदि बहुत से लोग स्वर्ण आदि का दान करते रहते हैं। अत: धार्मिक भी ब्राह्मण नहीं हो सकता। तब ब्राह्मण किसे माना जाय ? (इसका उत्तर देते हुए उपनिषद्कार कहते हैं-) जो आत्मा से युक्त न हो; जाति, गुण और क्रिया से भी युक्त न हो; षड् ऊर्मियों और षड्भावों आदि समस्त 263 हो; सत्य, ज्ञान, आनन्द स्वरूप, स्वयं निर्विकल्प स्थिति में रहने वाला, अशेष कल्पों का आधार ..... प्राणियों के अन्त में निवास करने वाला, अन्दर-बाहर आकाशवत् संव्याप्त; अखण्ड आनन्दवान, अप्रमेय, अनुभवगम्य, अप्रत्यक्ष भासित होने वाले आत्मा का करतल आमलकवत् परोक्ष का भी साक्षात्कार करने वाला; काम-रागद्वेष आदि दोषों से रहित होकर कृतार्थ हो जाने वाला; शम-दम आदि से सम्पन्न; मात्सर्य, तृष्णा, आशा, मोह आदि भावों से रहित; दम्भ, अहङ्कार आदि दोषों से चित्त को सर्वथा अलग रखने वाला हो, वही ब्राह्मण है; ऐसा श्रुति, स्मृति पुराण और इतिहास का अभिप्राय है।

इस (अभिप्राय) के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार से ब्राह्मणत्व सिद्ध नहीं हो सकता। आत्मा ही सत् चित् और आनन्द स्वरूप तथा अद्वितीय है। इस प्रकार के ब्रह्मभाव से सम्पन्न मनुष्यों को ही ब्राह्मण माना जा सकता है। यही उपनिषद् का मत है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के रचयिता थे बंकिम चंद्र चटर्जी

अनन्या मिश्रा

देश की आजादी एक लंबे स्वाधीनता आंदोलन की देन है। भारत की आजादी में न सिर्फ राजनेताओं व राजा-महाराजाओं का बल्कि कवियों, साहित्यकारों, वकीलों और विद्यार्थियों का भी विशेष योगदान रहा था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आजादी की लड़ाई में कई साहित्य प्रेमियों ने अपनी महान और अमर रचनाओं से आजादी की लड़ाई में नई जान फूंकी थी। इसके अलावा भारतीय भाषाओं के साहित्य को भी मजबूती देते हुए नए आयाम पर पहुंचाया।

ऐसे ही साल 1874 में स्वतंत्रता सेनानी के द्वारा लिखा गया अमर गीत वंदे मातरम भारतीय स्वाधीनता संग्राम का मुख्य उद्घोष बन गया था। बता दें कि वंदे मातरम की रचना करने वाले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का 8 अप्रैल को निधन हो गया था। वंदे मातरम देश का राष्ट्रगीत है। देश का अमरगीत वंदे मातरम लिखने वाले साहित्य

रचनाकार और स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय हमेशा के लिए अमर हो गए। देश का यह राष्ट्रीय गीत सिर्फ एक गीत या नारा नहीं था। बल्कि साल 1874 के समय में यह गीत लाखों-करोड़ों युवाओं के दिलों में धड़क रहा था।

आप सबने भी स्कूल में इस गीत को गाया होगा। लेकिन इस राष्ट्रीय गीत को लिखे जाने के पीछे की कहानी और इसके रचयिता बंकिम चंद्र के जीवन के संघर्ष को आप उतना करीब से नहीं जानते होंगे।

पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के कांठलपाड़ा गांव में 26 जून, 1838 ईस्वी को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ था। बंकिम चंद्र बंगला भाषा के शीर्षस्थ व ऐतिहासिक उपन्यासकार रहे हैं। सरल भाषा में आप उन्हें भारत का एलेक्जेंडर ड्यूमा भी कह सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक अधिवेशन साल 1896 में कलकत्ता में हुआ था। तब पहली बार वंदे मातरम गीत को गाया गया था। जिसके कुछ समय बाद ही यह गीत अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ गाया जाने लगा। उस दौरान वंदे मातरम भारतीय क्रांतिकारियों का पसंदीदा गीत और मुख्य उद्घोष बन गया। भारत की आजादी की लड़ाई में न सिर्फ क्रांतिकारियों बल्कि बच्चे, युवा, व्यस्क और प्रौढ़ से लेकर महिलाओं की जुबान पर भी यही गीत और नारा रहता था।

बताया जाता है कि बंकिम चंद्र के जीवनकाल में उनके द्वारा रचित गीत को अधिक ख्याति नहीं मिल पाई थी। लेकिन इस बात से इंकार भी नहीं किया जा सकता है कि आजाद भारत के युवाओं के दिलों में यह गीत आज भी अमर राष्ट्र भाव के साथ धड़कता है। कहा जाता है कि वंदे मातरम गीत की धुन रवींद्रनाथ टैगोर ने बनाई थी।

भारत-रूस की दोस्ती पर क्यों आ रही आंच

हर्ष वी पंत

फिनलैंड का नैटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) में शामिल होना उभरते ग्लोबल ऑर्डर पर गहरी छाप डालने वाली घटना है। यूक्रेन पर रूसी हमले ने इस गठबंधन को नई सार्थकता दी है, जिसे शीतयुद्धोत्तर काल में अतीत का अवशेष माना जाने लगा था। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा, 'हर राष्ट्र अपनी सुरक्षा पुख्ता करना चाहता है, फिनलैंड भी वही कर रहा है। नैटो मेंबरशिप ने हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति मजबूत बनाई है।' इस घटना ने यह बात पूरी स्पष्टता से रेखांकित कर दी है कि हमारे इतिहास का सैन्य गुटनिरपेक्षता का दौर समाप्त हो गया है और एक नया दौर शुरू हो चुका है। नैटो की सीमा करीब 1300 किलोमीटर तो बढ़ ही चुकी है, स्वीडन भी इसमें शामिल होने का इंतजार कर रहा है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी पश्चिमी देशों और नैटो का विस्तार करने की उनकी कोशिशों पर डाली थी। उनकी दलील थी कि यूक्रेन के खिलाफ बल प्रयोग के जरिए वह दूसरे देशों के लिए एक लकीर खींच रहे हैं ताकि वे नैटो से दूर रहें। यूरोप में इतना बड़ा युद्ध शुरू करने का प्रमुख कारण उन्होंने यही बताया था। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने तब कहा था कि वह यह कहने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं कि 'शायद इसी बात के लिए आगे चलकर हम पूतिन का शुक्रिया अदा करें क्योंकि उन्होंने वही स्थिति समय से पहले ला दी है, जिसे रोकने का दावा वह कर रहे हैं।'

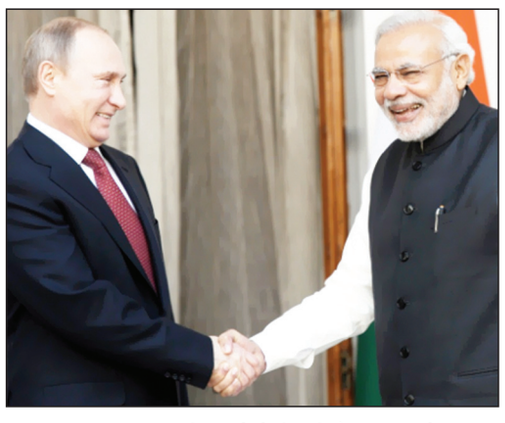

इस बात पर काफी चर्चा होती रही है कि पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला करने के बाद से जंग के मैदान में रूसी फौज को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों के सहयोग की बदौलत यूक्रेन ने लगभग हर स्तर पर रूसियों के पसीने छुड़ा दिए हैं। लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याओं और कमांड व कंट्रोल से जुड़े मसलों ने भी रूसी फौज के प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अपनी मातृभूमि की रक्षा के संकल्प के साथ यूक्रेनी नागरिक हर कदम पर जान की बाजी लगाते हुए रूसियों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने जंग के मैदान में तो बढ़िया प्रदर्शन किया ही है, दुनिया में कई देशों का रुख अपनी ओर करने में भी काफी हद तक सफल रहे हैं। दूसरी ओर रूस मान कर चल रहा था कि कुछ दिनों नहीं तो हफ्तों के अंदर तो यूक्रेन को ध्वस्त कर देगा, वह बुरी तरह मात खाया दिख रहा है। इसीलिए रूस को परमाणु हथियारों की धमकी का सहारा लेना पड़ा।

रूस के लिए असली चुनौती सामरिक स्तर पर है। रूसी हमले ने एक झटके में न केवल पश्चिम को एकजुट कर दिया बल्कि उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से विचार करने को भी मजबूर किया। जर्मनी जैसे देश के लिए भी यह घटना सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। नैटो एक तरह से जैसे पुनर्जीवित हो गया और फिनलैंड, स्वीडन जैसे पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष देश भी अपने लंबे समय से चले आ रहे रुख पर पुनर्विचार करने को मजबूर हुए। फिनलैंड में नैटो में शामिल होने के सवाल पर लोगों का समर्थन 80 फीसदी तक पहुंच गया, जिससे स्वाभाविक ही नीति निर्माताओं के लिए फैसला करना आसान हो गया। रूस के लिए इसका मतलब होगा चीन से और ज्यादा करीबी, लेकिन उसके जूनियर पार्टनर के रूप में। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने पूतिन की जूनियर पार्टनर की हैसियत तभी स्पष्ट हो गई थी, जब चिनफिंग हाल में रूस के दौरे पर आए थे। दोनों देशों ने 'प्रायॉरिटी पार्टनर्स' के तौर पर संयुक्त वक्तव्य में संकल्प लिया कि क्षेत्रीय अखंडता के सवाल पर एक-दूसरे का समर्थन करेंगे। क्वॉड जैसे उभरते गठबंधनों के मद्देनजर दोनों ने एशिया-पैसिफिक में अपना-अपना ब्लॉक बनाने की मानसिकता का विरोध किया और इसकी जगह पर ऐसा सिक्यॉरिटी सिस्टम बनाने का संकल्प लिया, जो समान और सबके लिए खुला होगा। 'बराबरी वाली पार्टनरशिप' जैसे जुमलों के पीछे की हकीकत यह देखने पर साफ हो जाती है कि इस वक्त किसे किसकी जरूरत है।

हाल ही में जारी विदेश नीति की रणनीति में रूस ने चीन और भारत को मित्र राष्ट्र के रूप में रेखांकित किया है। आज जब वह पश्चिमी देशों से घिरा हुआ है, तब वह भारत से सहयोग बढ़ाना चाहता है। लेकिन रूस जो भी चाहे, सचाई यह है कि दोनों देशों के रिश्तों में कई स्तरों पर चुनौतियां बढ़ रही हैं। अव्वल तो रूस और चीन के बीच समझौते से भारत में आशंका पैदा हुई है। भारत और रूस के बीच के रक्षा संबंधों में आ रही मुश्किलों का अंदाजा इस बात से भी होता है कि भारतीय वायुसेना ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन युद्ध की वजह से मॉस्को भारत को जरूरी रक्षा सप्लाई मुहैया कराने का वादा पूरा करने की स्थिति में नहीं है। जाहिर है, सीमा पर चीन के साथ तनाव को देखते हुए भारत इस स्थिति को ज्यादा समय तक स्वीकार नहीं कर सकता। वैसे सच यह भी है कि भारत, रूस से अपने रिश्तों को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगा। लेकिन हालात तेजी से बदलते जा रहे हैं और भारत को हथियारों के लिए कोई वैकल्पिक ठिकाना तलाशना होगा।

साफ है कि यूरोप की सुरक्षा संरचना को आकार देने वाले बुनियादी कारकों में बदलाव आ रहा है और उनका प्रभाव भारत की विदेश नीति पर भी पड़ रहा है। रूस के साथ भारत के रिश्ते भी इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। भारत यही उम्मीद कर रहा है कि सब कुछ ठीक रहे, लेकिन उसे बुरे नतीजों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

गांधी आज

ग्राम सेवक के कर्तव्य(भाग- 01)

ग्राम सेवक का पहला धर्म ग्राम निवासियों को सफाई की शिक्षा देना है। इस शिक्षण में व्याख्यान और पत्रिकाओं की बहुत कम आवश्यकता है- अर्थात् यह पदार्थ पाठ के द्वारा ही दी जा सकती है। ऐसा करते हुए भी धीरज की आवश्यकता तो रहेगी ही। ग्राम सेवक के दो दिन सेवा करने से लोग अपने आप काम करने लग जाएंगे, यह नहीं मान लेना चाहिए। ग्राम सेवक ग्रामवासियों को एकत्र करके पहले उन्हें उनका धर्म समझाएं। फिर गाँव से ही कुदाली, फावड़ा, टोकरी या डोल और झाड़ू- इतनी चीजें जुटाकर सफाई का काम शुरू कर दें। रास्तों की जाँच करके पहले मल को टोकरी में फावड़े से इकट्ठा कर ले और उस जगह को धूल से ढक दे। जहाँ पेशाब हो वहाँ भी फावड़े से ऊपर की गीली धूल उठाकर उसी टोकरी में डाल ले और उसपर आस-पास से साफ धूल लेकर बखेर दे। मैला किसान के लिए सोना है। उसे खेत में डालने से उसकी बढ़िया खाद बनती है और फसल बहुत अच्छी होती है अत: किसान को समझाकर यथासंभव किसी के खेत में मैले को करीब 9 इंच गहरा गाड़ दे, इससे अधिक गहरा नहीं गाड़ना चाहिए। मैला गाड़कर गड्ढे को मिट्टी से भर देना चाहिए। मैले की व्यवस्था के बाद कूड़े की व्यवस्था करनी चाहिए। कूड़ा दो तरह का होता है— (1) खाद के लायक, जैसे गोबर, मूत्र, साग तरकारी के छिलके, जूठन, आदि; (2) लकड़ी, पत्थर, टीन, चिथड़े इत्यादि । 6. खाद के योग्य कूड़ा अलहदा एकत्र करके मैले की तरह पर अलग गड्ढे में गाड़ना चाहिए या घूर की जगह डालना चाहिए। दूसरा कूड़ा उन गड्ढों में डालना चाहिए जिन्हें भरना हो और गड्ढा भर जाने पर मिट्टी बिछा कर गड्ढे को चौरस कर देना चाहिए। ऐसे कूड़े में से लकड़ी के छिलके, दातुन के चीरे आदि घो और सुखाकर ईंधन के काम में ले सकते हैं। घूर के पास सस्ते पाखाने बनाने का जिक्र पहले (आरोग्य-खंड में) किया जा चुका है।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

अतिक्रमण हटाने पहुंचे निगम की जेसीबी पर पथराव

रायगढ़। अतिक्रमण हटाने के लिए गई निगम की टीम में स्वच्छता प्रभारी व स्वच्छता निरीक्षक के साथ हुज्जतबाजी करते हुए जेसीबी में पथराव कर दिया गया। मौके पर पुलिस पहुंची तब जाकर विवाद शांत हुआ। नगर निगम के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम का तोडू अमला चक्रधर नगर स्थित बोइरदादर क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया था। उक्त क्षेत्र में मछली पसरा व सब्जी की दुकान अवैध रूप से काबिज होकर संचालित किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान वहां की नालियां अव्यवस्थित हो गई थी। ऐसे में शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे नगर निगम के स्वच्छता प्रभारी रमेश तांती, स्वच्छता निरीक्षक राजू पाडेंय सहित अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। इस समय वहां फिर से कब्जा कर दुकान संचालित की जा रही थी। ऐसे में निगम अमले ने अतिक्रमणकारियों को दुकान हटाने की बात कही। इस बात को लेकर निगम कर्मचारी व बेजाकब्जाधारियों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। निगम के अधिकारियों के निर्देश पर जेसीबी का चालक वहां से अतिक्रमण हटाने लगा। इससे विवाद और बढ़ गया। इस बीच व्यापारी आक्रोशित हो गए और वहां जेसीबी के ऊपर चढ़ कर चालक से हुज्जतबाजी करते हुए उसके हाथ पकड़ कर नीचे खींचने लगे।

घर में घुसा जंगली सुअरों का झुंड, दहशत के मारे लोगों का बुरा हाल

मरवाही। मरवाही के चिचगोहना इलाके में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के ही रहने वाले राय परिवार ने घर के अंदर कमरे में एक नहीं दो नहीं बल्कि तीन-तीन जंगली सुअर को देखा। फिर क्या था घर वाले घर से बाहर आ गए और मामले की जानकारी वन विभाग को दी। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने काफी मसक्कत के बाद तीनों जंगली सुअर को घर से बाहर खदेड़ा। जिसके बाद सुअर जंगल की ओर भाग गए, तब कहीं जाकर घर वालो ने राहत की सांस ली। मामला मरवाही वन मंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र का है, जहां पर चिचगोहना गांव में रहने वाले पंकज राय के घर में आज उस समय हड़कंप मच गया जब घर के लोगों ने एक कमरे में तीन जंगली सुअर को देखा। फिर क्या था डरे सहमे लोग घर को खुला छोड़ बाहर निकल गए और घर के अंदर जंगली सुअर के घुसे होने की जानकारी मरवाही वन परिक्षेत्र के अधिकारियों को दी। मामले की जानकारी मिलते ही मरवाही वन अमला चिचगोहना में पंकज राय के निवास पहुंचा और घर में घुसे तीनों जंगली सुअरों को बड़ी मसक्कत के बाद जंगल की ओर खदेड़ा। वहीं घर वालों की मानें तो शायद उनके घर का पीछे का दरवाजा खुला रह जाने के कारण सुअर पीछे के दरवाजा से अंदर घुस आए। बता दें कि चिचगोहना गांव सोननदी के किनारे जंगल से लगा हुआ गांव है और इस इलाके में जंगली सुअर के साथ काफी संख्या में भालू और जंगली जानवरों की मौजूदगी है। जो आए दिन जंगलों से गांव और बस्ती में आ जाते हैं।

दुर्ग संभाग के 1896 सहायक शिक्षकों का पदोन्नति का आदेश जारी

कवर्धा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के सतत प्रयास से दुर्ग संभाग अंतर्गत सहायक शिक्षक से शिक्षक के पद पर बहुप्रतीक्षित पदोन्नति आदेश अंततः जारी हो गया है। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि संयुक्त संचालक दुर्ग द्वारा 6 अप्रैल को जारी पदोन्नति आदेश के अनुसार संभाग के 1896 सहायक शिक्षकों को शिक्षक के पद पर पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ है। इसमें कबीरधाम व बेमेतरा जिले के भी शिक्षक शामिल है। ओवरऑल इस सूची में ईएलबी संवर्ग के 1630 एवं टीएलबी संवर्ग के 266 शिक्षक शामिल है। ईएलबी संवर्ग में गणित के 433, विज्ञान के 287, अंग्रेजी के 504, सामाजिक विज्ञान के 76 एवं हिंदी के 330 सहायक शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ मिला है। इसी प्रकार टीएलबी संवर्ग में गणित में 88, विज्ञान में 70, अंग्रेजी में 44, सामाजिक विज्ञान में 15 एवं हिंदी में 49 सहायक शिक्षक पदोन्नत हुए हैं। पदोन्नत सहायक शिक्षकों को कॉउंसलिंग के माध्यम से पदांकन किया जाएगा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि सहायक शिक्षकों को सातवें वेतनमान में पे बैंड 5200-20200 पर ग्रेड पे 2400 रुपए में वेतन मेट्रिक्स लेवल-6 का वेतन प्राप्त हो रहा है, जो शिक्षक पद पर पदोन्नति के बाद बढ़कर पे बैंड 9300-34800 पर ग्रेड पे 4200 में वेतन मेट्रिक्स लेवल-8 का वेतन प्राप्त होगा।

दो कार की आपस में भिडंत दो की मौत व 5 घायल

धमतरी। नेशनल हाईवे 30 पर दो कारें आपस में भिड़ गई जिसमें दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं 5 लोग घायल हो गए है जिनका इलाज जारी है। घटना धमतरी-कांकेर नेशनल हाईवे पर बालोद जिले में आने वाले पुरूर थाने के जगतरा मंदिर के पास शुक्रवार की शाम की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कार रायपुर डंगनिया और एक कार कांकेर जिले के लखनपुरी की बताई जा रही है। मृतक चालक लखनपुरी का रहने वाला है। लखनपुरी की कार क्रमांक सीजी 19 बीडी 4011 रायपुर से लखनपुरी की ओर जा रहे थी तभी रायपुर डंगनिया से कार क्रमांक सीजी 04 केवी 8622 में सवार लोग जगदलपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान एनएच 30 स्थित ग्राम जगतरा में दो कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई और घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई। वहीं 5 अन्य घायल बताये जा रहे हैं।

अमर अग्रवाल ने अरपा नदी में हो रही अवैध खुदाई के मुद्दे को लेकर धरना प्रदर्शन किया

बिलासपुर। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राज्य में राजनीतिक पार्टियां अब एक्टिव मोड में आ गई हैं। पिछले दिनों आम आदमी पार्टी ने विकास के मुद्दे को लेकर आंदोलन किया था, तो भारतीय जनता पार्टी सरकार को घेरने में कैसे पीछे रह सकती है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने अरपा नदी में हो रही अवैध खुदाई के मुद्दे को लेकर बिलासपुर में धरना प्रदर्शन किया। अमर अग्रवाल ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि अवैध रेत खोदाई के साथ ही अरपा के अस्तित्व को खत्म किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस विधायक इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

अरपा की बदहाली का उठा मुद्दा

अरपा नदी की बदहाली को मुद्दा बनाकर भाजपा सत्ता पक्ष पर हमलावर है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपा ने अरपा नदी में निर्माणाधीन शिवघाट बैराज के पास धरना प्रदर्शन किया। नगर निगम, विधायक और शहर सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने अरपा की बदहाली और अरपा में चल रहे प्रोजेक्ट पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अरपा का संरक्षण और संवर्धन का दावा करने वाली सरकार में रोज अरपा का सीना छलनी किया जा रहा है।

बैराज के ड्राइंग डिजाइन पर भी सवाल-

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने अरपा नदी की अस्मिता के साथ खिलवाड़ किये जाने का आरोप भी प्रदेश सरकार पर लगाया। अरपा उत्थान के नाम पर बिना कोई ठोस योजना, बिना दूरदर्शी सोच के करोड़ों रुपए फूंका जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरपा को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया है। शिवघाट और शनिचरी पचरी घाट में बन रहे बैराज के ड्राइंग डिजाइन में भी कई समस्याएं हैं। सरकार अरपा के नाम पर केवल राजनीति करना चाहती है। पूर्ववर्ती सरकार में बने प्राधिकरण को भंग कर सरकार ने बेसिन प्राधिकरण का गठन किया है। सीएम खुद प्राधिकरण के अध्यक्ष हैं, लेकिन उसके बाद भी आज अरपा की जो स्थिति है वो सबके सामने है। अरपा में रेत का अवैध खनन जारी है। अरपा में नाले का गंदा पानी जा रहा है, गंदगी से अरपा पटी पड़ी है। सरकार के जनप्रतिनिधि, अधिकारी उदासीन बने हुए हैं।

दिग्विजय महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम असंतोषजनक

एनएसयूआई ने की रिवैल्युएशन की मांग

राजनांदगांव। राजनांदगांव एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष उज्जवल निर्मलकर के नेतृत्व में शनिवार को दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर को मांग पत्र सौंपा। एनएसयूआई पूर्व प्रदेश संयुक्त महासचिव राजा यादव ने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के पर सभी ऑटोनॉमस महाविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू हुई है जिसमें दिग्विजय ऑटोनॉमस महाविद्यालय भी शामिल है इस वर्ष प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हुई। जिसमें बीएससी 1 सेमेस्टर गणित समुह में 37 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण, बीएससी 1 सेमेस्टर बायो समुह में 39 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए है। साथ ही बी कॉम में 43 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है। बाकी बचे विद्यार्थी में कुछ एटीकेटी एवं अत्यधिक मात्रा में विद्यार्थी अनुर्तीण हुए है। अनुतीर्ण हुए छात्रों के पास ना रिवेल कराने का विकल्प नहीं है। और ना ही अगली कक्षा में बैठने का कोई मौका है।

एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष उज्जवल निर्मलकर ने कहा कि नई शिक्षा नीति के परीक्षा के नियमों को बदलाव किया जाना चाहिए। जिससे कि सभी छात्रों को रिवेल की सुविधा दी जानी चाहिए एवं अनुतीर्ण हुए छात्रों को आगामी कक्षा में प्रवेश दिया जाना चाहिए। एनएसयूआई जिला सचिव सागर यादव ने कहा कि हमारी माँगो को जल्द से जल्द पुरा किया जाना चाहिए। जिससे छात्रों का हित हो सके। यहां यह बताना जरुरी होगा कि बीएससी 1 सेमेस्टर मैथ्य ग्रुप में 95 छात्र पास 87 छात्र एटीकेटी 57 छात्र फेल 37 प्रतिशत पास। बीएससी 1 सेमेस्टर बायो ग्रुप में 168 छात्र पास 170 छात्र एटीकेटी 119 छात्र फेल 39 प्रतिशत पास तथा बी कॉम 1 सेमेस्टर में 168 छात्र पास 170 छात्र एटीकेटी 119 छात्र फेल 43 प्रतिशत पास हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएसयूआई पूर्व प्रदेश संयुक्त महासचिव राजा यादव , एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष उज्जवल निर्मलकर, जिला सचिव सागर यादव, अंकित हरिहारणों आदि मौजूद रहे।

सुकमा पुलिस के हत्थे चढ़े 2 इनामी नक्सली, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

सुकमा। जिला पुलिस को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने विस्फोटक सामग्री समेत दो नक्सलियों को पकड़ा है। गिरफ्तार नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 2 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। कुकानार थाने में दोनों नक्सलियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। शुक्रवार को दोनों नक्सलियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एसडीओपी तोमेश वर्मा ने बताया कि कुकानार की जंगल में नक्सलियों द्वारा विस्फोटक सामग्री बनाने की सूचना मुखबिर से मिली थी। सूचना मिलने के बाद कुकानार थाना से जिला बल व डीआरजी की संयुक्त पार्टी सुकमा व दंतेवाड़ा के सीमावर्ती ग्राम कुन्ना के कांवडपारा व पेदापारा के जंगल और पहाड़ी पर सर्चिंग के लिए निकली। इस दौरान कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख छिपने की कोशिश करने लगे।

जवानों ने उन्हें देखा और घेराबंदी करके घर दबोचा।

सुकमा में इनामी नक्सली गिरफ्तार

पूछताछ में संदिग्धों ने नक्सल संगठन के लिए काम करना स्वीकार किया। गिरफ्तार नक्सली मुचाकी सुखराम पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। एलओएस सदस्य के रूप में सक्रिय था। माड़वी कोसा मिलिशिया कमाण्डर के रूप में सक्रिय था। उस पर भी छत्तीसगढ़ सरकार ने 1 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे नक्सली

गिरफ्तार नक्सलियों की निशानदेही पर 1 टिफिन बम (आईईडी) लगभग 08-10 किलोग्राम, 12 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 1 इलेक्ट्रिक मल्टीमीटर, लगभग 60 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट, बैटरी, इलेक्ट्रिक वायर, स्वींच, फटाका, जूता, 1 काला पिट्ठू बैग, 3 इंजेक्शन, दवाईयां, नक्सली साहित्य अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया गया। विस्फोटक सामाग्री के बारे में पूछताछ करने पर गिरफ्तार नक्सलियों ने बताया कि बड़े नक्सली लीडर जगदीश, मड़कम सोमडू, हेमला भीमा, जयलाल, प्रदीप के कहने पर पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।

छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ रहा कोरोना 73 नए संक्रमित मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोरोना तेजी से प्रदेश में पैर पसारते जा रहा है। इसका ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोरोना के केस बढ़ने से खतरा बढ़ गया है। रायपुर में कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर मेडिकल बुलेटिन जारी की है।

मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में गुरुवार को 959 सैम्पलों की जांच की गई, जिसमें प्रदेश में 73 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। छत्तीसगढ़ में आज 13 जिलों में कोरोना के मरीज मिले हैं। अन्य जिलों में कोई नया मरीज नहीं मिला है। प्रदेश में आज कोरोना पॉजेटिविटी रेट 7.61 है। छत्तीसगढ़ में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 388 हो गई है।

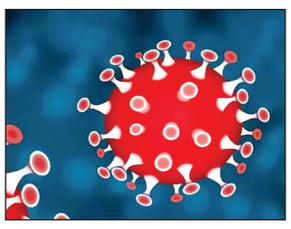

प्रदेश में आज रायपुर में सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज मिले हैं। रायपुर में सबसे ज्यादा 40 संक्रमित मरीज मिले हैं। वहीं दुर्ग 6, बिलासपुर 7, पेंड्रा गौरेला-मरवाही-7, कबीरधाम, बस्तर, जशपुर, धमतरी, दंतेवाड़ा में 1-1 संक्रमित मरीज मिले हैं। बलौदाबाजार, बेमेतरा, महासमुंद और राजनांदगांव में 2-2 संक्रमित मरीज मिले हैं।

वहीं बात कोरोना के कुल एक्टिव मरीजों की करें तो रायपुर में 120, दुर्ग मं 41, बिलासपुर में 45, धमतरी में 37, राजनांदगांव में 39, जांजगीर चांपा में 10, कोंडगांव में 31 और कांकेर में 10 एक्टिव केस मिले हैं।

महापौर ने किया रेवाडीह में मुक्तिधाम जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन

राजनांदगांव। महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत 32.00 लाख रूपये की लागत से रेवाडीह वार्ड नं. 22 में मुक्तिधाम जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन पूजा अर्चना कर श्रीफल फोड कर किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री मधुकर वंजारी व श्रीमती दुलारी बाई साहू, वार्ड पार्षद व कनिष्ठ सभापति श्री गामेंद्र नेताम विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में वार्ड के श्री जितेन्द्र कौशिक, उपेश राजपूत, खोरबाहरा राम साहू, ओमप्रकाश, पिंटू श्रीवास व सूर्यकांत श्रीवास ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य कराये जा रहे है, इसी कडी में राजनांदगांव शहर में भी उनके द्वारा स्वीकृत राशि से मूलभूत सुविधा रोड, नाली सहित सामुदायिक भवन, उद्यान, मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौदर्यीकरण कार्य कराये जा रहे है। उन्होंने कहा कि रेवाडीह मुक्तिधाम जीर्णोद्धार के लिये लंबे समय से मांग की जा रही थी, जो आज शासन के सहयोग से पूर्ण होने जा रही है। जीर्णोद्धार के तहत बाऊण्ड्रीवाल, शेड निर्माण, पाथवे के अलावा सौदर्यीकरण किया जायेगा। उक्त कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ कर समय सीमा में पूर्ण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर वार्ड में कराये जायेगे। इस अवसर उप अभियंता श्री अशोक देवांगन सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

दो माह में नजूल के 375 प्रकरण निराकृत

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में रायगढ़ जिले में पिछले दो माह में 375 नजूल प्रकरण निराकृत किए गए हैं। जिससे शासन को 8.31 करोड़ रुपए की राजस्व आय मिली है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने जिले में अपनी पदस्थापना के साथ ही राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण को प्राथमिकता में रखा है। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियों की बैठकें ली और लंबित सभी मामलों की एक-एक कर समीक्षा की। जिसका परिणाम रहा कि पिछले दो माह में ही इतने व्यापक स्तर पर मामले निराकृत हुए। कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में शासकीय नजूल भूमि का आबंटन, व्यवस्थापन, स्थायी नजूल पट्टों का भूमि स्वामी हक में परिवर्तन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, डायवर्सन, नक्शा, खसरा, नकल प्रकरणों का निराकरण सहित राजस्व से जुड़े सभी मामलों को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर श्री सिन्हा के निर्देश पर रायगढ़ शहर के विभिन्न वार्डों में स्थित नजूल भूमि के संबंध में जारी पट्टों को भूमि स्वामी हक में परिवर्तन की कार्यवाही तेजी से हो रही है।

कोरबा में राख डंपिंग यार्ड में काफी अनियमितता : जयसिंह अग्रवाल

कोरबा। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल शुक्रवार को कोरबा के राख डंपिंग यार्ड का निरीक्षण करने पहुंचे। मंत्री के दौरे से एक दिन पहले रातों रात राख की सफाई का वीडियो भी सोशल मीडिया में काफी वायरल हुआ था। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने इस बात को माना कि राख को व्यवस्थित तरीके से डंप नहीं किया गया है। अधिकारियों से गलती हुई है।

बालको में राख डैम के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने प्रबंधन के अफसरों से कहा कि शहर में राख जगह जगह बिखरी पड़ी है। इसकी परमिशन किसने दी, कौन जिम्मेदार है? क्या बालको ने पूरे कोरबा को राख से पाटने का प्लान बना लिया है। यदि नियमानुसार ठीक तरह से काम हुआ होता, तो शहर के लोग राख की समस्या से इस कदर परेशान ना हुए होते।

राख की समस्या को लेकर निरीक्षण की शुरुआत शुक्रवार को मंत्री ने बालको से की। परसाभाठा क्षेत्र स्थित बालको के राख डैम के ऊपर जाकर चल रहे काम का जायजा लिया। मौके पर ही बालको, जिला प्रशासन और नगर पालिक निगम के सभी अधिकारी मौजूद रहे। बालको राख डैम के विस्तार करने पर मंत्री ने सवाल खड़े किए। फॉरेस्ट की जमीन पर राख पाटने के मामले में भी मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई इसके बाद मंत्री मानिकपुर खदान पहुंचे। मानिकपुर कोयला खदान प्रबंधन को भी मंत्री ने नियम के तहत काम करने की हिदायत दी।

पर्यावरण संरक्षण मंडल के रीजनल ऑफिसर शैलेश मिश्रा ने कहा कि लो लाइन एरिया में नियम विरुद्ध राख डंपिंग के विरूद्ध हमने हाल फिलहाल में कार्यवाही की है। राज्य सरकार के एचटीपीएस पावर प्लांट पर 2 लाख रुपये और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पावर प्लांट पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। राजस्व मंत्री ने आज निरीक्षण किया है। इस दौरान जिन बिंदुओं पर हमें जांच करने को कहा गया है। उसकी जांच कर हम जल्दी ही रिपोर्ट सौंप देंगे।

मोदी राज में महंगाई चरम पर वस्तुओं के दाम दुगुने हो गयेः मरकाम

कांग्रेस ने जारी किया 2013 की अपेक्षा 2023 में वस्तुओं के बढ़े मूल्य की सूची

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि महंगी गैस, महंगा तेल, थोक और खुदरा महंगाई आजादी के बाद सर्वोच्च शिखर पर है, सिर्फ सत्ता की भूख में मोदी सरकार आम जनता की कमर तोड़ रही है, फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल-डीजल 100 के पार, रसोई गैस 1177, खाने का तेल 200 के पार। आम जनता बेबस और लाचार है पर मोदी सरकार केवल अपने चंद पूंजीपति मित्रों के मुनाफे की सोच रही है। मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी विगत 7 साल में 258 परसेंट बढ़ाया है और डीजल पर 820 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इन तमाम आंकड़ों के बावजूद मोदी सरकार द्वारा महंगाई को झूठलाया जाना यह प्रदर्शित करता है कि महंगाई को काबू करना मोदी सरकार के बस में नहीं है।

मरकाम ने कहा है कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था लगातार गर्त में जा रही है। देश की जीडीपी 8.2 से गिरकर 5.7 हो गयी है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगडने से आयात पर निर्भरता तेजी से बढ़ रही है। देश पर कुल कर्ज का भार 3 गुना बढ़ चुका है। विगत 12 महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य 12 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है। मोदी राज में विगत एक माह में ही विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 26 बिलियन डालर कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 2014 की तुलना में 20 परसेंट कम होने के बावजूद डीजल और पेट्रोल 30 से 40 रूपए प्रति लीटर महंगे बेचे जा रहे हैं। थोक और खुदरा महंगाई दर आरबीआई द्वारा तय सीमा से लगातार ऊपर है लेकिन मोदी सरकार का फोकस केवल चंद पूंजीपतियों के मुनाफे पर केंद्रित है।

2013 में कांग्रेस की मनमोहन सरकार के समय राशन सामाग्री और पेट्रोल-डीजल के दाम और वर्तमान मोदी सरकार के समय आवश्यक वस्तुओं की कीमतें

	2013	2023
आटा (10 किलो)	210 रुपये	440 रुपये
चावल	30-36 रुपये किलो	50-65 रुपये किलो
फूल क्रीम दूध	39 रुपये	66 रुपये
देसी घी	300 रुपये	875 रुपये
सरसों तेल	52 रुपये	260 रुपये
अरहर दाल	70-80 रुपये	160-170 रुपये
रसोई गैस	410 रुपये	1177 रुपये
पेट्रोल	66 रुपये	97 रुपये
डीजल	52 रुपये	92 रुपये
रिफाइंड तेल	68 रुपये	148 रुपये
फल्लीदाना	60 रुपये	135 रुपये
उड़द दाल	64 रुपये	120 रुपये
मूंग दाल	62 रुपये	130 रुपये
मसूर दाल	47 रुपये	90 रुपये
चना दाल	40 रुपये	66 रुपये

कर्नाटक के नतीजों पर निर्भर करेगा ईडी का एक्शन

कहा जा रहा है कि राज्य में ईडी का अगला बड़ा एक्शन कर्नाटक चुनाव के बाद नजर आएगा। कर्नाटक चुनाव का परिणाम 13 मई को आ जाएगा। चर्चा है कि छत्तीसगढ़ में ईडी का बड़ा एक्शन कर्नाटक के नतीजों पर निर्भर करेगा। कर्नाटक चुनाव के बाद राजनीतिक दल छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान विधानसभा चुनाव में लग जाएंगे। खबर है कि इस बीच ईडी छापे की जद में आए कांग्रेस नेताओं,कारोबारियों और अफसरों से पूछताछ कर अगली कार्रवाई के लिए जमीन तैयार करती रहेगी। हल्ला है कि छापे की जद में आए कांग्रेस के कुछ नेताओं पर ईडी का फंदा कस सकता है। बताते हैं खनिज कारोबार वालों पर खतरा ज्यादा है। भूपेश राज के शुरूआती दिनों में कलेक्टरी का आनंद उठाने वाले कुछ अफसरों पर ईडी निगाह जमाए हुए है। अब देखते हैं आने वाले दिनों में ईडी की गाज किस पर गिरती है।

अफसरों के कारनामे

छत्तीसगढ़ में ईडी ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पिछले छह महीनों में कई अफसरों को अपने घेरे में लिया, फिर भी कुछ अफसर ऐसे हैं कि उनकी धन कमाने की भूख शांत हो ही नहीं रही है। कहते हैं कि एक जूनियर आईएएस अफसर ने ईडी की निगाह से बचने के लिए विदेश में अपना खाता खुलवा लिया है और उसी खाते से दो नंबर के माल का लेन-देन करते हैं। अब देखते हैं ईडी की निगाह से कब तक बचते हैं। चर्चा है कि एक अफसर ने ऊपर की कमाई के लिए अलग-अलग नामों से कई खाते खुलवा रखे थे, पर वे ईडी की नजर में आ गए। एक अफसर का नीदरलैंड में खाता होने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि ये अफसर छत्तीसगढ़ में कमाई कर विदेश में धन सुरक्षित रखते थे।इस अफसर को पहुंचा हुआ पीर माना जाता है, क्योंकि इन पर सरकार के आने-जाने का असर नहीं हुआ। ये दिन दूनी रात चौगुनी कमाई करते रहे।

भाजपा के महामंत्री चुनाव लड़ेंगे या लड़ाएंगे

भाजपा के प्रदेश महामंत्री के पद को पूर्णकालिक माना जाता है। छत्तीसगढ़ भाजपा के वर्तमान तीनों महामंत्री केदार कश्यप, विजय शर्मा और ओ पी चौधरी चुनाव लड़ना चाहते हैं। अब सवाल उठ रहा है कि तीनों ही महामंत्री चुनाव लड़ेंगे तो विधानसभा चुनाव के वक्त व्यवस्था कौन संभालेगा ? केदार कश्यप और ओ पी चौधरी 2018 के पराजित प्रत्याशी हैं। विजय शर्मा कवर्धा से टिकट के लिए लंबे समय से दावेदार हैं, लेकिन अब तक उनकी जगह किसी दूसरे को टिकट मिलती रही है। कहते हैं विजय शर्मा इस बार कवर्धा के साथ पंडरिया विधानसभा से दावेदारी कर रहे हैं। ओ पी चौधरी 2018 में खरसिया सीट से चुनाव हार गए थे। चर्चा है कि सुनिश्चित जीत के लिए उनकी नजर रायगढ़ सीट या रायपुर शहर की किसी सीट पर है। ओ पी चौधरी रायपुर जिले के कलेक्टर के रूप में शहर में कई काम कराएं हैं, यहाँ के लोग उन्हें जानते भी हैं। खबर है कि वे इसका लाभ लेना चाहते हैं। बताते हैं रायगढ़ में व्यवसायी वर्ग का ज्यादा प्रभाव होने के बाद भी कांग्रेस से ओबीसी प्रत्याशी की जीत से यह सीट भी उन्हें खरसिया से ज्यादा सुरक्षित लग रही है। केदार कश्यप अपनी परंपरागत सीट नारायणपुर से ही चुनाव लड़ना चाहते हैं।

जीत के लिए सुरक्षित सीटों की तलाश

चर्चा है कि कांग्रेस के करीब आधा दर्जन विधायक 2023 अपनी जीत पक्की करने के लिए सुरक्षित सीट की तलाश में लगे हैं। इनमें कुछ मंत्री भी शामिल हैं। कहते हैं जीत न पाने की आशंका के चलते एक मंत्री जी ने अभी से हथियार डाल दिया है। वे अपने रिश्तेदार के लिए जुगाड़ में लगे हैं। कहा जा रहा है कि दुर्ग जिले से चुनाव लड़ने वाले एक विधायक जी रायपुर जिले और मुंगेली जिले में सुरक्षित सीट तलाश रहे हैं। कांग्रेस के कुछ दिग्गज भी एंटी इंकम्बेंसी के भय से सुरक्षित ठौर की थाह लेने में लगे हैं। अब देखते हैं हाईकमान इनके मन की सुनता है या अपने मन से फैसला करता है।

कही-सुनी

रवि भोई

आनंद मसीह से मुक्त हुआ सूचना आयोग

राज्य सरकार ने आखिरकार आनंद मसीह को राज्य सूचना आयोग के सचिव पद से विदा कर दिया। कहते हैं आनंद मसीह ने सूचना आयोग को अपनी मुट्ठी में कर लिया था। सचिव आनंद मसीह अपने मातहत कर्मचारियों पर तो गाज गिराते ही थे। उन्होंने आयोग के सदस्यों के ऊपर भी चलने की कोशिश की। कहते हैं सचिव ने सदस्यों के काम का बंटवारा कर दिया था। बताते हैं आनंद मसीह के तौर-तरीके और कार्यशैली से सदस्यों के साथ पूरा स्टाफ खफा था। आनंद मसीह के कामकाज को लेकर प्रभावित लोगों ने सरकार से शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर सरकार ने आनंद मसीह को हटाकर 2003 बैच के पदोन्नत आईएएस गोविंदराम चुरेंद्र को आयोग के सचिव के पद पर पदस्थ किया है। अब देखते हैं जी आर चुरेंद्र के काम संभालने के बाद आयोग में क्या बदलाव आता है। चुरेंद्र साहब भूपेश सरकार के गुड बुक से बाहर वाले अफसर हैं। वैसे भी आयोग दो सदस्यों के भरोसे चल रहा है। न मुख्य सूचना आयुक्त हैं और न ही आयुक्त के सभी पद भरे हैं।

क्या अवस्थी सीएम के सुरक्षा सलाहकार होंगे

चर्चा है कि पिछले हफ्ते पुलिस मुख्यालय में ओएसडी बनाए गए आईपीएस अफसर डीएम अवस्थी मुख्यमंत्री के सुरक्षा सलाहकार होंगे। अजीत जोगी ने मुख्यमंत्री रहते आईपीएस अफसर रामलाल वर्मा को अपना सुरक्षा सलाहकार बनाया था। ओएसडी बनाए गए डीएम अवस्थी के कामकाज और सेवा शर्तों के संबंध में अलग से आदेश जारी होना था, लेकिन एक हफ्ते बाद भी वे क्या काम करेंगे, इस बारे में कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। राज्य के डीजीपी रहे डीएम अवस्थी अपने से जूनियर अफसर के पुलिस प्रमुख रहते पीएचक्यू में कैसे बैठेंगे ? इस पर भी सवाल उठ रहा है। उम्मीद की जा रही है कि अवस्थी साहब के अनुभव का लाभ सरकार किस तरह लेना चाहती है, इस पर अगले हफ्ते तक निर्णय हो जाएगा।

कांग्रेस में कार्यकारी अध्यक्ष की सुगबुगाहट

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदले जाने के घमासान के बीच पार्टी में दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की हवा बहने लगी है। कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले ओबीसी अध्यक्ष के साथ एक एससी और एसटी वर्ग से कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। 2023 विधानसभा चुनाव के पहले पुराने फार्मूले को लागू करने की पहल कुछ लोग करने लगे हैं। एसटी वर्ग के अध्यक्ष के साथ एससी वर्ग से एक कार्यकारी अध्यक्ष और सामान्य वर्ग से एक कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की बात चल पड़ी है। कहा जा रहा है सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) के गठन के बाद कुछ राज्यों के कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाएंगे। अब देखते हैं कांग्रेस हाईकमान छत्तीसगढ़ के बारे में क्या फैसला करता है?

भाजपा विधायकों का केंद्रीय मंत्रियों से भेंट चर्चा में

छत्तीसगढ़ के भाजपा विधायकों का केंद्रीय मंत्रियों से सामूहिक मुलाक़ात न कर व्यक्तिगत मुलाक़ात करना चर्चा का विषय है। छत्तीसगढ़ के सभी 14 भाजपा विधायकों को पांच अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात का समय तय था , लेकिन एन वक्त पर मुलाकात रद्द हो गया। कुछ विधायक प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक-दो दिन पहले ही दिल्ली पहुंच गए थे। इस दौरान वे केंद्रीय मंत्रियों से मिले। पूर्व मंत्री और विधायक बृजमोहन अग्रवाल कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल और अन्य मंत्री-नेताओ से मिले। पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से मिले। विधायक शिवरतन शर्मा और अन्य विधायक भी अलग -अलग मंत्रियों से भेंट की।

प्रदेश भाजपा कोर कमिटी की बैठक संपन्न बैठक में बनी जीत की रणनीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक में भाजपा ने इसी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत की रणनीति पर मंथन किया। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'मोर आवास मोर अधिकार' अभियान की सफलता ने छत्तीसगढ़ में राजनीतिक मौसम बदल दिया है। इस अभियान को प्रदेश भर में हर विधानसभा क्षेत्र में मिले प्रबल जन समर्थन से भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर है। प्रत्येक कार्यकर्ता कांग्रेस की भ्रष्ट, नकारा, जनविरोधी, गरीब विरोधी, किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए निर्णायक संघर्ष करने तैयार है। मोर आवास-मोर अधिकार अभियान को मिले

अभूतपूर्व जन समर्थन से कांग्रेस और उसकी सरकार की नींद उड़ गई है। हमारे कार्यकर्ताओं ने जीत का रास्ता बना लिया है और अब हम सभी कार्यकर्ताओं को जनता के साथ लक्ष्य हासिल करने सुविचारित रूप से आगे बढ़ना है।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने का कि विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनी है। उन्होंने कहा कि बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा हुई। पार्टी एक विस्तृत कार्ययोजना बनाकर सामाजिक सुरक्षा पखवाड़ा मनायेगी। अब विधानसभा चुनाव पर फोकस करना है, उनके स्थानीय मुद्दों पर फोकस करना है, इस पर कार्य योजना बनी है। डा. सिंह ने कहा कि स्थानीय मुद्दे को आधार बनाकर आंदोलन होगा। पीएम आवास, शराबबंदी, बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर आम जनता के बीच जायेंगे। कोर कमेटी की बैठक में राष्ट्रीय संगठन नेताओं ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि इस बार हमें अपना गौरव पुन: प्राप्त करना है और छत्तीसगढ़ की जनता को कांग्रेस सरकार के भ्रष्ट और अराजक राज से मुक्त कराने पूरी ताकत झोंकना है। हमें जनता की बेहतरी के लिए, उसकी सेवा के लिए, राज्य के विकास के लिए हर हाल में यह चुनाव जीतना है। हम जनता के हक में संघर्ष लगातार कर रहे हैं। अब इस संघर्ष को चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की है। छत्तीसगढ़ की जनता हमारे साथ है। हमें जनता पुकार रही है कि इस अत्याचारी कांग्रेस सरकार से छुटकारा दिलाएं और छत्तीसगढ़ को दोबारा विकास के रास्ते पर ले जाएं क्योंकि हमारे 15 साल के विकास को साढ़े चार साल से अवरुद्ध कर दिया गया है।

कोर कमेटी की इस अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश व प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन, केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय और विक्रम उसेंडी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय ,प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और गौरी शंकर अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता राम विचार नेताम, विधायक पुन्नूलाल मोहिले, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, विजय शर्मा, ओपी चौधरी उपस्थित थे।

राहुल गांधी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस में लोकतंत्र की लड़ाई लड़ रही -मरकाम

रायपुर। कांग्रेस का जय भारत सत्याग्रह प्रदेश के सभी जिलों और ब्लाको में चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की लड़ाई जनता के अदालत में लड़ रही है। जय भारत सत्याग्रह के तहत राहुल गांधी के साथ किये गये आलोकतांत्रिक व्यवहार, मोदी सरकार की तानाशाह नीतियों के खिलाफ पत्रकारवार्ता और मशाल शांति मार्च निकाला गया। नुक्कड़ सभायें सभी गांव कस्बे में हो रही है।

एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल सभी नुक्कड़ सभा में भाग ले रहे है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार एवं सोशल कैंपेन भी हुआ। कांग्रेस लोकतंत्र बचाओं दौड़ का आयोजन होगी। 14 अप्रैल संविधान बचाओं दिवस मनाया जायेगा। ब्लाक स्तरीय पत्रकारवार्ता, पोस्टकार्ड अभियान, नुक्कड़ सभा, सोशल मीडिया कैंपेन, जय भारत सत्याग्रह फेस 2 में संभागीय जिला सम्मेलन होगा। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रदेश स्तरीय रैली, एक दिन का उपवास सभी जिले में गांधी जी के प्रतिमा के समक्ष सार्वजनिक स्थानों पर सभी पदाधिकारी की अनिवार्य उपस्थिति रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर देने अडानी के घोटालों पर न पर्दा डाल पायेगा और न ही नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसे, विजय माल्या जैसे भगोड़ो के संरक्षण के गुनाह से मोदी सरकार बच पायेगी। चोर को चोर कहना देश में अपराध हो गया है मोदी सरकार घोटाले बाजों को संरक्षण दे रही। सच कहने वाले की सदस्यता रद्द करवा रही है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

भाजपा पहाड़ी कोरवाओ की दुखद मौत पर राजनीति मत करे - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कोरवा जनजाति के परिवार की आत्महत्या की घटना दुखद है। भाजपा उनकी मौत पर राजनीति कर रही है।

मृतक परिवार को सारी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा था। उनके पास राशन कार्ड भी था। आपसी विवाद और पारिवारिक क्लेश के कारण हुई घटना पर भाजपा घृणित राजनीति कर रही है। जशपुर जिले के पहाड़ी कोरवा परिवार के आत्म हत्या के मामले में भाजपा द्वारा ली गई पत्रकावार्ता भाजपा नेताओं ने एक बार फिर से झूठ परोस कर लाश पर राजनीति करने का प्रयास किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेता झूठ बोल रहे थे। यह उनके पत्रकारवार्ता तथा कथित जांच दल की जारी रिपोर्ट के विरोधाभासी तथ्यों से साबित हो रहा है भाजपा नेता दावा कर रहे है कि भूख से वंचित होकर परिवार के लोगो ने आत्म हत्या किया। जबकि अपनी ही जांच रिपोर्ट में यह भी मान रहे कि परिवार के पास राशन कार्ड था जिसमें फरवरी माह तक राशन उठाने की प्रविष्टि को भाजपा जांच दल बता रहा। (जबकि कोरवा परिवार ने मार्च में भी राशन उठाया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की भूमिका महत्वपूर्ण -मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया

रायपुर। जिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरियाजिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरियाजिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरियाजिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरियाजिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरिया नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि महिलाओं एवं बच्चों के कुपोषण दूर करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. डहरिया आज आरंग के कृषि उपज मंडी में आयोजित जिला स्तरीय महिला जागृति शिविर सह-सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डॉ. डहरिया ने बच्चों का अन्न प्राशन्न भी कराया और गर्भवती माताओं को सुपोषण थाली भेंट की। इस मौके पर उन्होंने छत्तीसगढ़ महिला कोष द्वारा स्वीकृत जय माँ बम्लेश्वरी स्व सहायता समूह कठिया को एक लाख रूपए की राशि वितरित की। इस मौके पर उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा की।

अरूणाचल में 11 भारतीय गांवों का नाम चीन ने बदल डाले - रिजवी

रायपुर। मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने कहा है कि गत् दिवस चीन ने अरूणाचल प्रदेश के 11 गांवों का नाम बदल डाला है जो चीन की दादागिरी का प्रमाण है। उन्होंने केन्द्र की भाजपा सरकार को कुंभकर्णी नींद से जागने का आव्हान करते हुए कहा है चीन की इस नापाक हरकत से देशवासी हतप्रभ है। ऐसी दादागिरी को देखकर केन्द्र सरकार क्यों खामोश बैठी है। भारत की 15-16 वार्ताओं से न कोई हल निकला है और न ही भविष्य में निकलने की उम्मीद है। चीन के लिए यह कहावत सही निकल रही है कि ''लातो के भूत बातों से मानने वाले नहीं'' होते है। रिजवी ने देश की जनता को स्मरण दिलाते हुए कहा है कि लद्दाख की गलवान घाटी में भी हमारे 20 जवानों को चीन द्वारा धोखे से मौत के घाट उतार दिया गया था तथा 50 जवानों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस अमानवीय दुष्कृत्य पर भारत ने सर्जिकल स्ट्राईक नहीं किया जबकि हमारे सेना के जवान केन्द्र के रक्षा मंत्रालय के चीन पर यलगार करने के आदेश का इन्तजार करते रहे तथा खून का घूंट पीकर खामोश रहे जबकि हमारी सेना के जवान चीन पर हमला करने तैयार बैठे थे।

प्रियंका के लिए भीड़ जुटाने सरकारी मुलाजिमों को ठेका- केदार कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बस्तर दौरे की तैयारियों में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछा है कि प्रियंका कौन सी जनप्रतिनिधि हैं, जिनके बस्तर प्रवास की तैयारियों के लिए सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बाकायदा निर्देश जारी कर कार्यालय प्रभारियों को बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा जा रहा है और इसकी प्रतिलिपि कलेक्टर को भेजी गई है। स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री के हुक्म पर प्रशासन के दबाव में यह सत्ता का अनैतिक दुरुपयोग किया जा रहा है। प्रदेश भाजपा महामंत्री व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बस्तर के राजनीतिक दौरे के लिए भीड़ जुटाने का जिम्मा सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों को सौंपा जाना कांग्रेस की सरकार की पूरी तरह विफलता का प्रमाण है। कांग्रेस से बस्तर की जनता इस बुरी तरह त्रस्त है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भय सता रहा है कि उनकी नेता के कार्यक्रम में महिलाएं स्वत: नहीं पहुंचेंगी। इसलिए अपनी साख बचाने के लिए सरकारी मुलाजिमों को भीड़ इकठ्ठी करने मजबूर किया गया है।

नांचल क्षेत्रों में शिक्षा से गढ़ रहे हैं बच्चों का भविष्य- प्रेमसाय सिंह

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने 7 अप्रैल को अंबागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम करमतरा में 68 लाख 64 हजार रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन हाई स्कूल भवन तथा मोहला विकासखंड के ग्राम आलकन्हार में 1 करोड़ 11 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम करमतरा में हायर सेकेण्डरी स्कूल उन्नयन और कन्या छात्रावास की घोषणा की। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने नये स्कूल भवन बनने पर सभी को बधाई देते कहा कि किसी क्षेत्र में स्कूल खोलना सौभाग्य की बात होती है, लेकिन स्कूल भवन बनना परम सौभाग्य की बात होती है। आप सभी वनांचल क्षेत्रों में यहां के बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं वह सराहनीय कार्य है। यहां के बच्चे ने प्रयास, एकलव्य, नवोदय, नीट जैसी परीक्षाओं में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि यहां विद्यालय खुलने से आसपास के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। कोरोना काल में सबसे ज्यादा नुकसान पढ़ाई में हुआ है। शिक्षकों के प्रयास से ऑनलाइन पढ़ाई और पढ़ई तुँहर दुआर कार्यक्रम से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार होता रहा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य किया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूल, आश्रम, छात्रावास भवन की मरम्मत के लिए प्राक्कलन मांगा गया है।

लड़ाना, भिड़ाना और हिंसा कराना राजनेताओं का काम निश्चलानंद

रायपुर- पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती रायपुर पहुंचे. यहां उन्होंने प्रेस वार्ता की. इस प्रेस वार्ता में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने राजनेताओं को निशाने पर लिया. शंकराचार्य ने कहा कि 卐 लड़ाना, भिड़ाना और हिंसा कराना राजनेताओं का काम होता है. फूट डालो और राज करो की कूटनीति को लागू करने वाले भी राजनेता होते हैं. आदिवासी, आगंतुक, श्रमजीवी, बुद्धिजीवी के माध्यम से राजनेताओं ने देश को गड्ढे में पहुंचाया है. राजनीति की परिभाषा नहीं जानते और राजनेता बनकर घूम रहे हैं. ऐसे में राजनेताओं की बुद्धि पर तरस आती है.卐पूरी दुनिया को 13 व्यापारी चला रहे- शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने आगे कहा कि卐 पूरे विश्व और देश को 13 व्यापारी चला रहे हैं. विदेशी कंपनियों को ठेका देने की क्षमता रखते हैं, लेकिन शासन करने की क्षमता राजनेता नहीं रखते. इसी तरह राजनेता अगर ठेका देते रहें तो भविष्य में ठेका देने के लायक भी नहीं रहेंगे. दिशाहीन व्यापार तंत्र के बीच भारत और विश्व आ जाएगा卐

हिंदू राष्ट्र की मांग पर बोले शंकराचार्य-

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से रामराज्य और हिंदू राष्ट्र बनाए जाने के सवाल का भी जवाब निश्चलानंद सरस्वती ने दिया. उन्होंने पत्रकारों से बोला कि 卐आप सवाल पूछिए. युद्ध कराने वाली बात मत कीजिए. संगति का परिचय देना और शंकराचार्य से भिड़ना उचित नहीं है. किसी की पोल पट्टी हमसे मत खुलवाइए. अविमुक्तेश्वरानंद जी को अपना गुरु बताते हुए उन्होंने कहा कि हमने उनसे विद्या अध्ययन किया. हिंदू राष्ट्र के कई खंड हो गए हैं卐. उन्होंने कहा कि जो होना है, वही मैं कहता हूं, जो कहता हूं वही होना है. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अपनी पत्रकारिता को स्वच्छ रखते हुए लड़ाई झंझट से दूर रहिए.卐

विधानसभा चुनाव 2023 में भूपेश होंगे सीएम चेहरा-टीएस

रायपुर। हाल ही में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने अपने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि आज उन्होंने कहा है कि, मुख्यमंत्री का चेहरा भूपेश बघेल होंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर सिंहदेव का बयान चौंकाने वाला है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि, शायद सिंहदेव ढाई ढाई साल के सीएम फॉर्मूले का मुद्दा भूल गए हैं। टीएस सिंहदेव ने कहा जनता विकल्पों में बेस्ट विकल्प को देखती है। आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का चेहरा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रहेंगे। ऐसा कोई कारण नहीं दिख रहा है कि, वह चुनाव का चेहरा नहीं रहेंगे। इस बार भारतीय जनता पार्टी का चेहरा नहीं दिख रहा है। पहले कांग्रेस के लिए कहा जाता था कि रमन सिंह स्थापित चेहरा है। कांग्रेस

के पास कोई भी चेहरा नहीं। मतदाताओं ने कांग्रेस को मौका दिया और बहुत बड़ा विश्वास कांग्रेस पर जताया। सिंहदेव ने आगे कहा कि अब बात उल्टी हो गई है। कांग्रेस के पास एक चेहरा है। विपक्ष के पास चेहरा नहीं दिख रहा। कांग्रेस ने किसानों और अन्य वर्ग के लिए अन्य नीतियों के माध्यम से काम किया है। इसमें हमारी कुछ कमियां भी हो सकती है। विधानसभा चुनाव में मतदाता यह तय करेंगे और अपना वोट देंगे। एक निष्पक्ष विश्लेषक के रूप में मुझे लगता है छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बन रही है।

छत्तीसगढ़ में चेहरे और टीम बदलाव को लेकर टीएस सिंहदेव ने कहा कि हाई कमान परिस्थिति को देखते हुए फैसला लेते हैं। जो टीम चल रही है, उसे बदलना है। अगर जीत रहे हैं, तो कोई परिवर्तन नहीं किया जाता। जिस तरह से फीडबैक मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार फिर से आ रही है। ऐसे में बदलाव करने की बात ही नहीं है। इस तरह की दोनों बातें हाईकमान तक जा रही हैं। निर्णय करेंगे कि मुख्यमंत्री का चेहरा बदलना है या नहीं बदलना है। बृहस्पति सिंह के बैंक कर्मी से मारपीट मामले में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि कोई भी ऐसा करे, ये उचित नहीं है। कहीं कमी या गलतियां हो। कर्मचारी, अधिकारी के काम में गलतियां आ गई हो तो उसका हल हाथ उठाना नहीं होता। हम प्रजातंत्र में इसलिए आए हैं। हम सब एक बराबर हैं। नियम कानून से काम होंगे। हाथ उठाना और पैर चलाना, प्रजातंत्र में इसके लिए जगह नहीं होनी चाहिए।शराबबंदी पर बोले सिंहदेव- शराबबंदी को लेकर टीएस सिंहदेव ने कहा कि शराबबंदी को लेकर जब घोषणापत्र में कहा गया उस दौरान भी बहुत चिंतन किया गया। मुझे भी लोगों ने कहा है कि, अगर आप शराबबंदी करेंगे तो हम वोट नहीं देंगे। समाज में एक ऐसा वर्ग है, जो इसका सेवन करता है। शराबबंदी होनी चाहिए हम लोगों ने शराबबंदी को लेकर जनघोषणा पत्र में कहा था, लेकिन आज हम लोग शराबबंदी नहीं कर पाए हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.